दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

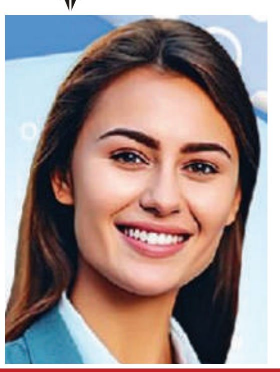

डर के आगे जीत है...

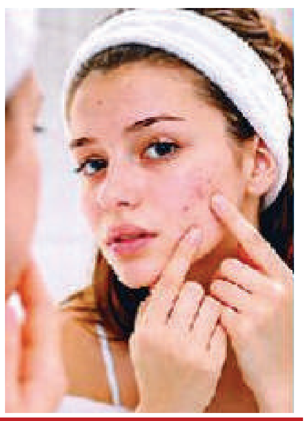

समर सीजन में ऐसे रखें हाइजीन का ध्यान

वर्ष : 12 | अंक : 147 | लखनऊ, 20 मई, बुधवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूरी का निधन

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व सीएम भुवन चंद्र खंडूरी का मंगलवार को निधन हो गया है। वे लंबे समय से

बीमार थे। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी मेजर जनरल खंडूड़ी (सेवानिवृत्त) के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। खंडूरी ने भारतीय सेना में रहते हुए राष्ट्र सेवा, अनुशासन एवं समर्पण का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

पंजाबी गायिका इंदर कौर की हत्या

लुधियाना। पंजाब की म्यूजिक इंडस्ट्री को दहला देने वाली एक बेहद खौफनाक वारदात सामने

आई है। 6 दिनों से लापता मशहूर पंजाबी गायिका यशइंदर कौर उर्फ इंदर कौर की निर्मम हत्या कर दी गई है। पुलिस ने मृतका का शव नीलो नहर से बरामद किया है इसके पीछे एकतरफा प्यार और सनक की कहानी सामने आई है।

न्यू अशोक नगर में 20 कारों में भीषण आग

पूर्वी दिल्ली। न्यू अशोक नगर थाना क्षेत्र के एक रिहायशी परिवार के घर में खड़ी 20 कारों में आग

लग गई। दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। थाने से चंद कदमों की दूरी पर ही पेट्रोलपंप बना हुआ है। आग का धुंआ काफी दूर से आसमान में नजर आ रहा था। ओवरहेड पानी के टैंक के पानी का भी इस्तेमाल किया गया।

रेप करने के आरोप में बीटेक का छात्र गिरफ्तार

नई दिल्ली। हैदराबाद में हैरानी वाला मामला सामने आया है। एक बीटेक के छात्र को क्लासमेट को

जबरदस्ती शराब पिलाकर उसका कथित तौर पर रेप करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। घटना 14 मई की रात को हुई थी। इब्राहिमपटनम पुलिस स्टेशन में शिकायत पर 15 मई को मामला दर्ज किया गया है।

गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में कहा

भय-बंदूक से नक्सलमुक्त हो गया बस्तर, जनता में उत्साह, विश्वास और भविष्य की आश्वस्तता बढ़ी

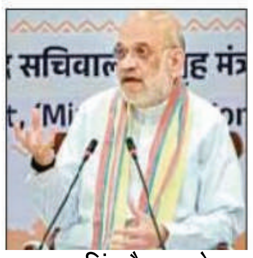

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में कहा कि आज बस्तर की जनता में उत्साह, विश्वास और भविष्य के प्रति आश्वस्तता का वातावरण सर्वत्र नजर आता है। उन्होंने कहा कि भय का माहौल, बंदूकों के साये में जीवन जीने का दौर आज समाप्त हुआ है और आज पूरा बस्तर मुक्त सांस ले रहा है। हम सबके लिए यह बड़े आनंद का विषय है कि बस्तर नक्सलमुक्त हो गया है।शाह ने कहा कि इसमें कुछ तिथियों का बड़ा महत्व है। पहली तिथि 13 दिसंबर 2023, जब छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में बनी। केंद्र में मोदी सरकार पहले भी थी, लेकिन यहां कांग्रेस की सरकार थी। मैं निःसंकोच कहना चाहता हूं कि ढेर सारी गैर-भाजपा सरकारों ने नक्सलमुक्त आंदोलन में हमारा सहयोग किया है, लेकिन कांग्रेस की सरकार ने नहीं किया।

कई भाजपा सरकारों ने नक्सलमुक्त आंदोलन में किया पूरा सहयोग

आज यहां लोग खुली सांस ले रहे

नक्सलवाद का संपूर्ण उन्मूलन हो गया

13 दिसंबर 2023 को यहां भाजपा सरकार बनने के बाद हमने बस्तर में बचे हुए नक्सलवाद को समाप्त करने की फिर से कवायद की। दूसरी तिथि 24 अगस्त 2024, जब सभी राज्यों के डीजी की बैठक के बाद घोषणा की गई कि 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद के आतंक से मुक्त कर दिया जाएगा। तीसरी तिथि 31 मार्च 2026, सुरक्षा बलों के पराक्रम, साहस और बलिदान के कारण निर्धारित तिथि से पहले ही देश से नक्सलवाद का संपूर्ण उन्मूलन हो चुका था। चौथी तिथि 19 मई 2026 है,जब से नक्सलवाद नक्सलबाड़ी से फैलना शुरू हुआ, उसके पक्षधर बुद्धिजीवी यह बताते रहे कि नक्सलवाद इसलिए पनपा क्योंकि विकास उन क्षेत्रों में नहीं पहुंचा। जबकि सच यह था, विकास न पहुंचने का कारण ही नक्सलवाद था।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में संपूर्ण विकास की परिकल्पना लॉन्च

देश में ऐसे भी क्षेत्र थे जो नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से भी पिछड़े हुए थे, लेकिन वहां नक्सलवाद नहीं हुआ और वे धीरे-धीरे आगे बढ़ गए, लेकिन बस्तर पीछे रह गया। 19 मई 2026 वह तिथि है, जब से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में संपूर्ण विकास की परिकल्पना को लॉन्च किया जा रहा है।

200 सुरक्षा कैंपों को सेवा डेरा में बदला जाएगा

शाह ने कहा कि कल ही मैंने शहीद वीर गुंडाधुर सेवा डेरा का उद्घाटन किया। बस्तर में जो 200 सुरक्षा कैंप हैं, उन्हें सेवा डेरा में बदला जाएगा। शाह ने कहा कि पूरे जिले नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए भारत सरकार यहां लगभग 200 सुरक्षा कैंप बनाए थे। सीआरपीएफ और छत्तीसगढ़ पुलिस के जवान इन कैंपों में रहकर इलाके की सुरक्षा सुनिश्चित करते थे, लेकिन अब बस्तर नक्सल-मुक्त है, इसलिए हमने यह तय किया है कि पहले चरण में इन 200 कैंपों में से 70 या उनमें से लगभग एक-तिहाई को वीर शहीद गुंडाधुर सेवा डेरा में बदल दिया जाएगा।

बस्तर के हर आदिवासी को एक गाय और भैंस देंगे

शाह ने मध्यक्षेत्रीय परिषद की प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उनके अलावा राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी शामिल हुए। इस दौरान शाह ने पूर्व की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा और उन्होंने बस्तर के आदिवासियों के लिए कही घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि बस्तर के हर आदिवासी को एक गाय और एक भैंस देंगे। विकास न होने की वजह से नक्सलवाद नहीं था, बल्कि नक्सलवाद की वजह से विकास नहीं हो रहा था। आज बस्तर में विकास की नई शुरुआत हुई है। बस्तर के हर आदिवासी को एक गाय और एक भैंस देंगे। हम बस्तर संभाग में डेयरी का बड़ा नेटवर्क बनाने जा रहे हैं. जंगल के वनोपज के फायदे को आदिवासियों तक पहुंचाएंगे।

कांग्रेस पर साधा निशाना

कांग्रेस ने इस अभियान में हमारा साथ नहीं दिया यहां सेंट्रल रीजनल काउंसिल की 26वीं मीटिंग हुई। बस्तर के लोगों में भविष्य को लेकर उत्साह, आत्मविश्वास का माहौल हर जगह दिख रहा है। कई गैर-बीजेपी सरकारों ने हमारे नक्सल-मुक्त अभियान का समर्थन किया है। लेकिन छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार ने नक्सल-मुक्त अभियान में हमारा साथ नहीं दिया। 13 दिसंबर, 2023 को यहां भाजपा की सरकार बनने के तुरंत बाद हमने बस्तर में बचे हुए नक्सलियों को निशाना बनाया।

रायबरेली में राहुल का केंद्र पर निशाना

आर्थिक शॉक अडाणी, अंबानी और प्रधानमंत्री को नहीं आपको लगेगा

तूफान आने वाला है

राहुल गांधी रायबरेली के बछरावां में विवाह हॉल का उद्घाटन करते हुए

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे। यहां उन्होंने सबसे पहले चुरुआ हनुमान मंदिर में मत्था टेका। बड़े मंगल पर उन्होंने बजरंगबली के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। यहां उन्होंने पर भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जो आर्थिक ढांचे बदला है, उससे तूफान आने वाला है। यूपी की जनता को शॉक लगेगा। यह आर्थिक शॉक अडाणी, अंबानी या प्रधानमंत्री मोदी को नहीं लगेगा। वह यूपी के युवाओं, किसानों और छोटे व्यापारियों को लगेगा। बहुत कठिन समय आ रहा है। प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि विदेश यात्रा पर मत जाइए, जबकि प्रधानमंत्री मोदी खुद दुनिया के चक्कर काट रहे हैं।

पेट्रोल-डीजल की महंगाई पर बरसे : देश में पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दामों को लेकर राहुल ने भाजपा और केंद्र सरकार पर हमला बोला। राहुलने सीधे पीएम मोदी की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आज जब देश और दुनिया के सामने इतना मुश्किल समय आ रहा है।

महंगाई पर केंद्र सरकार को घेरा

राहुल ने कहा, पेट्रोल के दाम बढ़ते जा रहे हैं। महंगाई आसमान के ऊपर जा रही है। वेकहते हैं कि राहुल को कोई समझ नहीं है। हम उनसे आज भी कह रहे हैं कि आप एक्शन लीजिए, जनता की रक्षा कीजिए। लेकिन, उनको कुछ लेना देना नहीं है। कभी हवाई जहाज से नॉर्वे चले जाते हैं, कभी जापानी चले जाते हैं, कभी कहीं और चले जाते हैं। राहुल ने कहा, नरेंद्र मोदी कहते है कि सोना मत खरीदो, इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदो, विदेश मत जाओ। इतना कहने के बाद पीएम मोदी विदेश चले जाते हैं।

अखिलेश से अलायंस पर बोले - मुद्दे से भटकना नहीं चाहते

इस दौरान उन्होंने अखिलेश यादव की ससपा से गठबंधन के सवाल पर प्रतिक्रिया दी। जब पत्रकारों ने राहुल से सपा प्रमुख अखिलेश के साथ गठबंधन को लेकर सवाल पूछा, तो उन्होंने इसका सीधा जवाब देने के बजाय देश की मुख्य समस्याओं पर फोकस करने की बात कही। राहुल ने दो टूक कहा कि मैं अभी मुख्य मुद्दे से बिल्कुल भी भटकना नहीं चाहता हूं। इस समय देश में पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतें सबसे बड़ा और गंभीर विषय हैं।

मेफेयर कन्वेंशन में चौहान ने कहा

पूर्वी भारत बनेगा देश के कृषि विकास का ग्रोथ इंजन, दिशा व दशा बदलेगी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भुवनेश्वर के मेफेयर कन्वेंशन में ओडिशा के सीएम मोहन चरण मांझी के साथ पूर्वी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन का उद्घाटन किया। चौहान ने पूर्वी भारत की कृषि को अधिक उत्पादक, टिकाऊ, वैज्ञानिक और लाभकारी बनाने का सशक्त आह्वान किया। चौहान ने कहा यह केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि पूर्वी भारत की कृषि, किसानों की आजीविका और क्षेत्रीय कृषि रणनीति को नई दिशा देने के लिए गंभीर चर्चा का मंच है। महाप्रभु जगन्नाथ की पावन धरती पर एकत्र हुई यह टीम एग्रीकल्चर पूर्वी भारत की खेती की हालत को बेहतर बनाने और किसानों की आय बढ़ाने के संकल्प के साथ बैठी है। उन्होंने पूर्वी भारत की उर्वरा भूमि, जल उपलब्धता, विविध जलवायु और किसानों की मेहनत को इस क्षेत्र की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि यही क्षेत्र भारत के कृषि विकास का ग्रोथ इंजन बन सकता है।

टीएमसी को लगा बड़ा झटका

फलता पुनर्मतदान से पहले जहांगीर ने वापस लिया अपना नामांकन पत्र

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

दक्षिण 24 परगना जिले की सीट फाल्टा से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को बड़ा झटका लगा है। फाल्टा से टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान ने चुनावी मैदान से अपना नाम वापस ले लिया है। यहां पुनर्मतदान 21 मई को होना है। ऐसे में उम्मीदवार के हटने अचनाक से नाम वापस लेना एक बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है। इसघटनाक्रम पर टीएमसी प्रवक्ता अरूप चक्रवर्ती ने कहा कि पार्टी को खान के इस निर्णय के बारे में सूचना मिली है। पार्टी को अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि इस फैसले के पीछे क्या कारण है? खान ने उपचुनाव में चुनाव नहीं लड़ने या भाग नहीं लेने का फैसला किया है। पार्टी अभी तक उनके नाम वापस लेने के पीछे के कारण से अवगत नहीं है। यह अचानक लिया गया फैसला माना जा रहा है। पार्टी इस मामले में अधिक जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है।

दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश ▶ आबकारी घोटाले में 4 हफ्तों में जवाब पेश करें

केजरीवाल-सिसोदिया समेत आप नेताओं को हाईकोर्ट ने थमाया अवमानना नोटिस

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

दिल्ली हाई कोर्ट ने आपराधिक अवमानना के एक स्वतः संज्ञान मामले में आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह सहित अन्य आप नेताओं को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा द्वारा शुरू किए गए इस मामले में आरोप है कि शराब नीति मामले में न्यायमूर्ति शर्मा की अदालत से रिक्यूजल याचिका खारिज होने के बाद आप नेताओं ने अदालत का बहिष्कार किया और सोशल मीडिया पोस्ट, वीडियो तथा पत्रों के माध्यम से उनके खिलाफ अपमानजनक और मानहानिकारक टिप्पणियां कीं। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति रवींद्र डुडेजा की पीठ ने सभी आरोपियों को जवाब दाखिल करने के लिए 4 सप्ताह का समय दिया है। अदालत ने इस मामले में न्याय मित्र नियुक्त किया है तथा सभी इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड्स को संरक्षित रखने का आदेश दिया है।

सुरजेवाला को समन 23 को पेश हों

गुवाहाटी। असम में कथित पासपोर्ट विवाद को लेकर राजनीतिक माहौल गरमाता जा रहा है। असम पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला को समन जारी किया है। पुलिस ने उन्हें 23 मई को गुवाहाटी स्थित क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में पेश होने के लिए कहा है। सीएम हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान से जुड़े कथित पासपोर्ट विवाद से यह जुड़ा बताया जा रहा है।

पत्थरबाजी में कई जवान घायल हुए थे, वाहनों में तोड़फोड़ की थी

मैं एसी में बैठकर तमाशा नहीं देखूंगा, दोबारा इस तरह घटनाएं हुईं तो बर्दाश्त नहीं करूंगा

बंगाल में नमाज बैन पर खुलकर बोले सीएम सुवेंदु

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि पुलिसकर्मियों पर हमले और तोड़फोड़ की घटनाओं को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी और यदि ऐसी घटनाएं दोबारा हुईं तो मुझसे बुरा कोई नहीं होगा। सरकार ने सार्वजनिक जगहों पर नमाज पढ़ने पर रोक लगाई थी, जिससे सर्कस पार्क इलाके में जब अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई हुई तो लोगों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी, जिसमें कुछ अधिकारी घायल हो गए थे । कई वाहनों को नुकसान पहुंचा था।

मुस्लिम इलाकों में पत्थरबाजी से 8 जवान घायल

सुवेंदु ने बताया कि हिंसा में 6पुलिसकर्मी और सीआरपीएफ के 2जवान घायल हो गए थे। उन्होंने कहा कि अब तक 40 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और जांच की निगरानी सीधे पुलिस कमिश्नर द्वारा की जा रही है। मैं स्पष्ट कह रहा हूं कि इस तरह की अशांति, गुंडागर्दी और राष्ट्रविरोधी, समाजविरोधी गतिविधियों को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मैं चुप नहीं बैठूंगा: मुख्यमंत्री

सुवेंदु ने कहा कि भीड़ द्वारा उकसाए जाने के बावजूद उन्होंने संयम बरता। वे दिन बीत चुके हैं जब पुलिसकर्मी घायल हो जाते थे जबकि मंत्री वातानुकूलित कमरे में बैठे रहते थे। यह मत सोचिए कि पुराने नियम अब भी लागू होते हैं। मैं चुप नहीं बैठूंगा।

वित्त मंत्रालय ने अफवाहों और अटकलों को किया खारिज

मंदिरों के सोने के मुद्रीकरण की कोई योजना विचाराधीन नहीं

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

सरकार ने मंदिरों के पास रखे सोने के मुद्रीकरण की किसी भी योजना से इनकार किया है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को इन अफवाहों और अटकलों को पूरी तरह से गलत बताया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ऐसी कोई योजना विचाराधीन नहीं है। वित्त मंत्रालय ने एक स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि देश भर के मंदिर न्यासों या किसी भी धार्मिक संस्थान के पास रखे सोने के लिए मुद्रीकरण योजना शुरू करने की कोई योजना नहीं है। ये अफवाहें पूरी तरह से झूठी, भ्रामक और निराधार हैं।

केंद्र सरकार ने ऐसी खबरों को झूठी, भ्रामक और निराधार बताया

सोने की परतें 'भारत के रणनीतिक स्वर्ण भंडार' का हिस्सा नहीं

मंत्रालय ने उन दावों को भी खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि मंदिर के गुंबदों, दरवाजों या अन्य संरचनाओं पर लगी सोने की परतें 'भारत के रणनीतिक स्वर्ण भंडार' का हिस्सा मानी जाएंगी। इन दावों को भी गलत और निराधार बताया गया। सरकार ने नागरिकों से ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करने और उन्हें प्रसारित न करने का आग्रह किया है। असत्यापित जानकारी फैलाने से अनावश्यक भ्रम पैदा होता है और जनता गुमराह हो सकती है।

अधिकृत माध्यमों पर ही भरोसा करें लोग

सरकार ने सभी नागरिकों से केवल अधिकृत माध्यमों से जारी आधिकारिक संचार पर ही भरोसा करने का आग्रह किया है। नीतिगत निर्णयों या सरकारी योजनाओं से संबंधित कोई भी जानकारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों, सरकारी वेबसाइटों और सत्यापित सार्वजनिक संचार मंचों के माध्यम से साझा की जाएगी। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि जनता को सही और विश्वसनीय जानकारी मिले।

लोग भ्रामक खबरें न फैलाएं

इन अफवाहों का खंडन इसलिए आवश्यक था क्योंकि वे जनता के बीच अनावश्यक चिंता और भ्रम पैदा कर रही थीं। धार्मिक संस्थानों से जुड़े संवेदनशील मामलों पर गलत जानकारी फैलने से सामाजिक सद्भाव प्रभावित हो सकता है। सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि ऐसी भ्रामक खबरों का कोई आधार नहीं है।

संक्षेप

संतुलन बिगड़ने से ट्रेन से गिरा युवक, मौत

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर एक दर्दनाक हादसे में राप्ती गंगा एक्सप्रेस से परिवार के साथ जा रहे यात्री की गिरकर मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान चंदन कुमार (20) निवासी ग्राम गोविंद पितौझिया, जनपद सीतामढ़ी, बिहार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि चंदन अपने परिवार के साथ मुजफ्फरपुर से देहरादून जाने के लिए राप्ती गंगा एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे थे। मंगलवार सुबह यात्रा के दौरान मलिहाबाद क्षेत्र के भुलभुला खेड़ा गांव के पास पोल संख्या 1099/27 के निकट ट्रेन के गेट पर बैठे समय अचानक संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गए। हादसे में उनके सिर में गंभीर चोट आई, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और रेलवे कर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी देते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

ग्राम समाज की भूमि पर अवैध रूप से मिट्टी खनन की रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बन्थरा थाना क्षेत्र स्थित बंथरा सिकंदरपुर के लेखपाल कुमार सौरभ ने यहीं कि राहुल राजपूत के खिलाफ ग्राम समाज की भूमि पर अवैध रूप से मिट्टी खनन की रिपोर्ट दर्ज कराई है। लेखपाल कुमार सौरभ के मुताबिक 16 मई 2026 को क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान बंथरा सिकंदरपुर स्थित राजस्व अभिलेखों में बंजर के रूप में दर्ज गाटा संख्या 1024 और 1023 पर अवैध रूप से मिट्टी खनन होते पाया गया। मौके पर खनन विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए खनन में प्रयुक्त वाहन को जब्त कर बंथरा थाने में सुपुर्द कर दिया। वहीं पैमाइश के दौरान दो बड़े गड्ढों में खनन पाया गया, जिनका कुल घनत्व हजारों घन मीटर बताया गया है ।फिलहाल लेखपाल की तहरीर पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

बंद घरों में चोरी करने वाले चार शातिर चोरों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर पुलिस और सर्विलांस टीम ने बंद घरों में चोरी करने वाले एक ही परिवार के चार शातिर चोरों को गिरफ्तार कर बीते दिनों सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में हुई तीन चोरियों का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 30 लाख रुपये कीमत के चोरी के जेवरात, नकदी, एक बुलेट मोटरसाइकिल, स्कूटी, टीवी और डीवीआर बरामद कर मंगलवार को चारों को जेल भेज दिया है। बताते चलें कि सरोजनीनगर के नादरगंज स्थित बद्री नगर कॉलोनी निवासी फर्नीचर व्यवसाई इबरार अहमद बीती 13 मई को अपने घर में ताला बंद कर एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने परिवार सहित अमेठी जिले के अपने पैतृक गांव कनकथौरी गए थे ।तभी 15 मई की रात नकाबपोश तीन चोरों ने घर के ताले तोड़कर अलमारी में रखें लाखों रुपए कीमत के गहने उठा ले गए थे ।अगले दिन 16 मई की सुबह पड़ोसी ने मुख्य गेट का ताला टूटा देख इसकी सूचना इबरार को दी। तब घर पहुंच कर उन्होंने सरोजनीनगर थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसी तरह इससे पहले यहां के गंगानगर अमौसी निवासी महिला गायत्री सिंह 20 अप्रैल को अपने घर में ताला बंद कर अपनी नातिन की तबीयत खराब होने के कारण उसे देखने अमेठी के सांगीपुर गई थी। 13 मई को वापस लौटी तो घर का ताला टूटा होने के साथ कीमती ज्वेलरी और नगदी गायब मिली। तब उन्होंने थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई ।इसके अलावा हिंदू खेड़ा अमौसी निवासी रईस अहमद 6 फरवरी को अपनी पत्नी के साथ पुत्र वधू को लेने उसके मायके फतेहपुर जिले के जहानाबाद गए थे। 7 फरवरी की शाम जब पुत्रवधू को लेकर वापस लौटे तो घर के ताले टूटे होने के साथ सारा सामान बिखरा पड़ा मिला ।साथ ही घर में खड़ी बुलेट मोटरसाइकिल और कीमती ज्वेलरी व नगदी गायब मिली ।तब इन्होंने सरोजनी नगर थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई ।पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों और घटना के समय घटनास्थल के आसपास मौजूद रहे मोबाइल नंबरों के जरिए चोरों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू की। पुलिस ने बताया कि तभी मंगलवार सुबह सरोजनीनगर के ही नादरगंज स्थित मेहराब ग्राउंड के पास से एक महिला सहित चार लोगों को पकड़ लिया गया। पुलिस पूछताछ में पकड़े गए चारों ने अपना नाम बिहार प्रांत के कैमूर जनपद स्थित नुआओ थाना अंतर्गत पंजराओ निवासी सोनू सिंह, यहीं के शक्तिमान सिंह, यहीं की विनीता सिंह और सरोजनी नगर के अमौसी निवासी प्रदुम्न सिंह बताया। यह सभी वर्तमान में गिंदनखेड़ा के पास रहते थे। पुलिस ने बताया कि ये सभी आपस में रिश्तेदार हैं और लंबे समय से चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वह दिन में बंद घरों की रेकी करते थे और रात में वारदात को अंजाम देते थे। पहचान छिपाने के लिए मुंह पर कपड़ा बांध लेते और किराये के मकान बदल-बदलकर रहते थे। जिन घरों में सीसीटीवी कैमरे लगे होते थे, वहां से डीवीआर भी चोरी कर लेते थे ।पुलिस ने उनके पास से सोने-चांदी के जेवर, स्कूटी, चोरी की बुलेट मोटरसाइकिल (यूपी-32 पीयू-9388), टीवी और डीवीआर सहित करीब 30 लाख रुपए कीमत का सामान बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि घटनाओं का मुख्य आरोपी सोनू सिंह शातिर चोर है और उसके खिलाफ पीजीआई व सरोजनीनगर, जबकि शक्तिमान सिंह के खिलाफ भी सरोजनीनगर थाने में पहले से चोरी और एनडीपीएस एक्ट के कई मामले दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस ने सभी के पास से बरामद सामान कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया है।

रेलवे ट्रैक के बीच गंभीर हालत में मिला अधेड़, ट्रामा सेंटर रेफर

गार्ड की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और आरपीएफ

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रेलवे ट्रैक के बीच एक अधेड़ व्यक्ति गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा मिला। सूचना मिलने पर रेलवे और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए सीएचसी पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

रहीमाबाद थाना क्षेत्र के गोस्वा गांव के पास से गुजरी रेलवे ट्रैक पर मंगलवार सुबह गार्ड द्वारा सूचना मिली किलोमीटर संख्या 1102/25-27 के बीच एक व्यक्ति के पड़े होने की जानकारी दी। सूचना पर ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ सिपाही नरेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे। वहां एक लगभग 45 वर्षीय व्यक्ति अप और डाउन रेलवे लाइनों के बीच गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा मिला।

घायल के बाएं हाथ तथा दोनों पैर घुटनों के नीचे से टूटे हुए थे, जबकि सिर में भी गंभीर चोटें थीं। वह ठीक से बोल नहीं पा रहा था। तत्काल 108 एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी गई

घायल व्यक्ति के पास कोई पहचान पत्र, यात्रा टिकट अथवा अन्य सामान नहीं मिला. पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से उसे उपचार के लिए मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया जिसके बाद घायल ने अपना नाम उमाशंकर निवासी सिकोरा थाना कुठार जनपद शाहजहांपुर बताया। इसके बाद पुलिस ने उसके परिजनों को घटना की सूचना दी हालत में सुधार न होता देख उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है।

नीलगिरी एन्क्लेव की बैठक में बवाल, पुलिस ने किया मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। वृन्दावन योजना स्थित नीलगिरी आरडब्ल्यूए की जीबीएम बैठक में शुक्रवार को जमकर हंगामा हो गया। आरोप है कि बैठक के दौरान कुछ लोगों ने अराजकता फैलाते हुए आरडब्ल्यूए सचिव पर माइक स्टैंड से हमला कर दिया। मामले में पीजीआई थाना में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई है। सचिव अमित निगम की ओर से दी गई शिकायत में कहा गया है कि 16 मई 2026 को आयोजित बैठक के दौरान दिव्या दीक्षित, रुचि अग्निहोत्री, निशांत खत्री, मेखलाल सिंह, नितिन सिन्हा समेत अन्य लोगों ने बैठक में व्यवधान पैदा किया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर दिव्या दीक्षित ने स्टील के माइक स्टैंड से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे पदाधिकारियों और सदस्यों को भी धमकाया गया। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि विरोध करने पर महिला उत्पीड़न के मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। घटना के बाद बैठक में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ढाबे पर खाना अच्छा न होने की शिकायत करने पर युवक के साथ मारपीट का आरोप

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बन्थरा थाना क्षेत्र में एक ढाबे पर खाना अच्छा न होने की शिकायत करने पर युवक के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस मामले में बिजनौर के मखदूमपुर कैथी निवासी संदीप कुमार रावत ने बंथरा के बीबीपुर में रहने वाले प्रमोद सिंह उर्फ गुड्डू और 6 -7 अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ बंथरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। संदीप का कहना है कि वह 17 मई की रात करीब 10:30 बजे वह बंथरा के जुनाबगंज - मोहनलालगंज रोड पर बीबीपुर के पास स्थित मन्नत ढाबा पर खाना खाने गया था।

बड़े मंगल पर फोटोग्राफर्स के भंडारे में शामिल हुए अखिलेश यादव

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव आज ज्येष्ठ माह के तीसरे मंगलवार को उत्तर प्रदेश फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा हजरतगंज चौराहा स्थित मीडिया प्वाइंट पर लगाये गये भंडारे में शामिल हुए।अखिलेश यादव ने भंडारे में श्री हनुमान जी की पूजा अर्चना की और प्रसाद का वितरण किया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, लखनऊ मध्य क्षेत्र के विधायक रविदास मेहरोत्रा, पूर्व ओएसडी आशीष यादव सोनू यादव, फोटो जर्नलिस्ट और पत्रकार सुशील सहाय, मनोज छाबड़ा ,नंद कुमार, दीप चन्द्र गुप्ता, विकास बाबू, हृदेश चंदेल, रंगनाथ तिवारी, अर्जुन साहू, मोहम्मद इमरान, सुनील कुमार रैदास, शुभम त्रिपाठी, प्रमोद शर्मा, रितेश यादव, सुमित कुमार, नईम अंसारी, आशुतोष त्रिपाठी, शरद शुक्ला, रूपेश कुमार, एरिक थमसन, आजम हुसेन, असफाक, वरिष्ठ पत्रकार शिवसरन सिंह, भारत सिंह, शिव विजय सिंह, स्वपन पाल, संदीप रस्तोगी, विशाल श्रीवास्तव, अरूण शर्मा बबलू, फूलचंद समेत बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर अखिलेश यादव ने कहा कि मंगलवार के दिन सभी लोग हनुमान जी को याद करते हैं उनकी पूजा अर्चना करते हैं। लखनऊ में कई जगह भंडारों में मैं शामिल हुआ। भंडारों में हमने बड़ी संख्या में लोगों को जुड़ते देखा। यही हमारी मिलीजुली संस्कृति है। यही गंगा-जमुनी तहजीब और भाईचारा है। हमारा संविधान बताता है कि हर एक के प्रति प्रेम, भाईचारा, दया और अपनापन रखना है। इसी से हमारा देश मजबूत होगा। उन्होंने भंडारे की परम्परा को आगे बढ़ाने के लिए सभी फोटो जर्नलिस्टो को बधाई दी। इसके साथ ही अखिलेश यादव आज राजभवन के सामने स्थित मंदिर परिसर में आयोजित भंडारा में भी शामिल हुए तथा प्रसाद ग्रहण किया। वहां पुजारी जी ने अखिलेश यादव को जीवन में सफलता का आशीर्वाद दिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर झूलता मिला विवाहिता का शव, हत्या का आरोप

अमन लेखनी समाचार

मृतका सोनी फाइल फोटो

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मायके पक्ष ने ससुरलीजनो पर दहेज उत्पीड़न और हत्या का आरोप लगाया है। मृतका के भाई ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार, प्रथम रुदही बक्शी का तालाब का निवासी दीपक ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसकी बहन सोनी (29) की शादी करीब सात वर्ष पूर्व माल थाना क्षेत्र के पिपरी कुराखर गांव निवासी दीपराज के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग दहेज को लेकर सोनी को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते थे। पीड़ित का आरोप है कि पति दीपराज, सास छोटक्ना तथा जेठ कैलाश व ननद राजकुमारी आए दिन उसकी बहन के साथ मारपीट करते थे। मंगलवार को ससुराल पक्ष के लोगों ने सोनी राजपूत को लात-घूंसों और डंडों से बुरी तरह पीटा और बाद में उसे जान से मारकर फांसी का रूप देने के लिए कमरे के अंदर फांसी के फंदे से लटका दिया। पड़ोसियों से सूचना मिलने पर जब मायके पक्ष मौके पर पहुंचा तो सोनी का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। भाई दीपक ने इसकी पुलिस को दी सूचना पाकर मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए और शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में माल इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अखिलेश यादव ने स्व गणना में लिया भाग

अमन लेखनी समाचार

लखनऊः सपा प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने स्व-गणना अभियान में सहभाग किया। स्व-गणना अभियान के तहत अखिलेश यादव द्वारा की स्वयं की गणना की गई। अखिलेश यादव ने उप निदेशक (जनगणना) की मौजूदगी में की स्व-गणना की।

जल सारथी ऐप से हर घर में लगी टोटी की हो रही मॉनिटरिंग

प्लंबर से लेकर अधिकारियों तक का नंबर ऑनलाइन उपलब्ध

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश सरकार जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के अभियान को डिजिटल और पारदर्शी बना रही है। इसमें 'जल सारथी' मोबाइल ऐप महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण और राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन की डिजिटल पहल ग्रामीणों को कई स्तर पर योजनाओं का सीधा और सरल अपडेट उपलब्ध करा रही है।

विशेष सचिव एवं एग्जिटिव डायरेक्टर एसडब्ल्यूएसडी, नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग प्रभास कुमार ने बताया कि जल सारथी ऐप के जरिए हर व्यक्ति सभी परियोजनाओं का लाइव अपडेट चेक कर सकता है। मल्टी लेवल डैशबोर्ड के जरिए राज्य से लेकर गांव तक हो रहे काम की जानकारी एक क्लिक पर मिल रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 75 जिलों में लगभग 58 हजार ग्राम पंचायतें हैं। यहां करीब 40 हजार परियोजनाओं के जरिए हर घर में जलापूर्ति होनी है। इन सभी परियोजनाओं को ऐप के जरिए ऑनलाइन जोड़ा जा रहा है, ताकि इनकी लाइव स्थिति का सबको पता चलती रहे।

ऐप में राज्य से लेकर गांव स्तर पर अलग-अलग डैशबोर्ड हैं। जैसे ही किसी गांव या लोकेशन पर किसी पानी की टंकी, पाइपलाइन या घरेलू नल कनेक्शन का काम पूरा होता है, उसकी जानकारी ऐप पर अपडेट हो रही है। इनको जियो टैगिंग के जरिए जोड़ा जा रहा है। इससे कोई भी नागरिक किसी भी गांव में चल रही योजना की लाइव स्थिति देख सकता है। इससे विभाग भी पानी के सोर्स से लेकर हर घर में लगी टोटी तक मॉनिटरिंग कर पा रहा है। साथ ही संपत्ति (पाइप लाइन, मोटर, टंकी) का भी संचालन सुनिश्चित हो पा रहा है। इस ऐप के जरिए ही ग्रामीण अपने नल कनेक्शन के लिए आवेदन कर पा रहे है। साथ ही कनेक्शन के बाद जल आपूर्ति में कोई भी समस्या आने पर शिकायत करने की भी सुविधा है। ग्रामीणों को प्लंबर से लेकर ग्राम प्रधान और जल निगम के अधिकारियों के नंबर भी यहीं पर उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि वह विभागों के चक्कर काटने के जगह आसानी से अपनी परेशानी दर्ज करा पाएं। इसके जरिए पाइनलाइन बिछने के बाद सड़क मरम्मत का अपडेट भी जाना जा सकता है। जैसे कि ऐप पर मौजूद डाटा के मुताबिक प्रदेश में मिशन के दौरान पाइपलाइन बिछाने के लिए 2 लाख किलोमीटर की विभिन्न सड़कों को तोड़ना पड़ा, जिसके साक्षेप 1.94 लाख किमी से अधिक सड़क का निर्माण पूरा कर लिया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में दूषित पानी एक बड़ी समस्या रही है। सिर्फ नल से हर घर में पानी पहुंचाना ही नहीं, बल्कि उसकी अच्छी गुणवत्ता सुनिश्चित करना भी विभाग के लिए बड़ी चुनौती है। इसके लिए फील्ड टेस्ट किट प्राथमिक चरण है। ग्राम स्तर पर पानी की गुणवत्ता की जांच करने की जिम्मेदारी स्थानीय महिलाओं को दी गई है। इनकी भी जानकारी ऐप पर उपलब्ध है, ताकि उनकी जिम्मेदारी सुनिश्चित हो सके। साथ ही ग्रामीण अपने क्षेत्र में चयनित इन महिलाओं की पुष्टि भी ऐप से कर सकते हैं।

गलत दिशा से आई स्कॉर्पियो ने एर्टिगा को मारी टक्कर, परिवार घायल, चालक फरार

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। थाना क्षेत्र के वृंदावन ट्रामा सेंटर के पास सोमवार दोपहर एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने गलत दिशा से आकर एर्टिगा कार में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार पूरा परिवार घायल हो गया, जबकि आरोपी चालक मौके से फरार हो गया। पीड़ित बलेश्वर पाण्डेय के अनुसार, घटना 18 मई 2026 को करीब तीन बजे की है। वह अपनी एर्टिगा कार संख्या वढ32ठव2183 से परिवार के साथ जा रहे थे। इसी दौरान स्कॉर्पियो एन संख्या वढ32दअ8453 गलत दिशा से तेज रफ्तार में आई और उनकी कार में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार सभी लोग घायल हो गए। आरोप है कि हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। पीड़ित ने बताया कि स्कॉर्पियो में वाहन मालिक और उसका बेटा भी मौजूद थे। दोनों को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वे भाग निकले। घटना की सूचना डायल 112 पर भी दी गई थी। बताया गया कि वृंदावन चौकी से दो पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे थे, लेकिन आरोपी वाहन चालक पकड़ में नहीं आ सका। घायल परिवार को इलाज के लिए तुरंत ट्रामा सेंटर ले जाया गया। पीजीआई पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है ।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की ताकत बनेंगी गोशालाएं

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश में गो संरक्षण को अब केवल धार्मिक और सामाजिक दृष्टि से नहीं, बल्कि वैज्ञानिक कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार क्रांति से जोड़ने की तैयारी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संरक्षित गोमाता की कृपा से प्रदेश में माइक्रो-आंत्रप्रेन्योरशिप आधारित एक नई कृषि क्रांति का मॉडल विकसित किया जा रहा है, जिसमें आईआईटी कानपुर की उन्नत तकनीक अहम भूमिका निभाने जा रही है। आईआईटी कानपुर की उन्नत तकनीक के जरिए उत्तर प्रदेश अब देश को नई दिशा दिखाएगा।

गोशालाओं को अब केवल संरक्षण केंद्र तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि उन्हें जैविक खेती, ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नई ताकत के रूप में विकसित किया जाएगा। गोबर और गोमूत्र आधारित हाई-क्वालिटी जैविक उर्वरक तैयार करने की आधुनिक तकनीक आईआईटी कानपुर के स्कॉलर ने विकसित की है, जिससे खेती अधिक प्राकृतिक, टिकाऊ और किसानों के लिए लाभकारी बन सकेगी। आईआईटी कानपुर के बायोलॉजिकल साइंसेज एंड बायोइंजीनियरिंग विभाग के पीएचडी स्कॉलर अक्षय श्रीवास्तव ने यह उन्नत कृषि तकनीक विकसित की है। इस शोध एवं तकनीकी विकास का नेतृत्व प्रोफेसर डॉ. अमिताभ बंद्योपाध्याय कर रहे हैं।

इस तकनीक के माध्यम से गोबर और गोमूत्र से वैज्ञानिक तरीके से हाई-क्वालिटी ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर तैयार किया जाएगा। इससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटेगी और खेती अधिक प्राकृतिक एवं पर्यावरण अनुकूल बन सकेगी। योगी सरकार इस पूरी व्यवस्था को माइक्रो-आंत्रप्रेन्योरशिप मॉडल से जोड़ने की तैयारी में है। इसके तहत ग्रामीण युवाओं, महिलाओं और किसानों को छोटे स्तर पर फर्टिलाइजर यूनिट्स से जोड़ा जाएगा, जिससे गांवों में बड़े पैमाने पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर पैदा होंगे। यह मॉडल केवल कृषि उत्पादन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में नई आर्थिक गतिविधियों को भी गति देगा। योगी सरकार की योजना है कि गोशालाओं के माध्यम से तैयार होने वाले जैविक उत्पाद किसानों तक सीधे पहुंचें और गांव स्तर पर ही उत्पादन से आय का मजबूत चक्र तैयार हो। प्रदेश की गोशालाएं अब केवल पशु संरक्षण केंद्र नहीं रहेंगी, बल्कि जैविक कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के नए विकास मॉडल का आधार बनेंगी। गो आधारित अर्थव्यवस्था को वैज्ञानिक तकनीक और आधुनिक कृषि प्रणाली से जोड़कर उत्तर प्रदेश देश के सामने एक नई दिशा प्रस्तुत करने जा रहा है। उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता का कहना है कि यदि यह मॉडल बड़े स्तर पर सफल हुआ तो उत्तर प्रदेश देश में गो आधारित वैज्ञानिक खेती और ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर टेक्नोलॉजी का सबसे बड़ा केंद्र बन सकता है।

भीषण गर्मी को देखते हुए सभी बिजली अधिकारी फील्ड में रहें : प्रबंध निदेशक

दो मुख्य अभियन्ता सहित 4 अधिकारियों से मांगा गया स्पष्टीकरण

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन के प्रबन्ध निदेशक ने प्रदेश के वितरण निगमों के कार्यों की समीक्षा करते हुये कहा कि प्रदेश में इस समय भंयकर गर्मी पड़ रही है। इस समय सभी क्षेत्रों को निर्धारित रोस्टर के अनुरूप विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाये। उन्होंने कहा कि इसके लिये सभी अधिकारी विशेष सतर्कता बरतें।

उन्होंने कहाकि इस समय प्रदेश में स्मार्ट मीटर एवं पुराने इलेक्ट्रिकल चेक मीटर की रीडिंग का अभियान चल रहा है। अब तक लगभग 50 हजार मीटर का मापन किया गया हैं। इसमें शतप्रतिशत स्मार्ट मीटर की रीडिंग निर्धारित मानक के अनुरूप है। उन्होंने डिस्कॉम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि चेक मीटर के मापन की जानकारी उपभोक्ताओं को भी प्राप्त हो इसके लिये व्यापक प्रचार प्रसार किया जाये। प्रबन्ध निदेशक ने विद्युत आपूर्ति के बारे में डिस्कॉम के अधिकारियों से व्यापक पूँछताछ की। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी क्षेत्रों में आपूर्ति बेहतर रहे इसके लिये वरिष्ठ अधिकारी लगातार मानीटरिंग करें। यदि कहीं ट्रांसफार्मर छतिग्रस्त हों तो निर्धारित समय में बदल जायें और कम से कम समय में आपूर्ति सामान्य हो। नितीश कुमार ने कहाकि इस समय प्रदेश में उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए कैम्प लगाये जा रहें हैं। इन कैम्पों के माध्यम से उपभोक्ताओं के मोबाइल नम्बर वैरिफाई करा लिये जाये। इसके लिये सभी अधिशासी अभियन्ता अपने क्षेत्रों में प्रयास करें। प्रबन्ध निदेशक ने बिजनेस प्लान के अन्तर्गत हो रहे कार्यों को समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिये। मुख्य अभियन्ता मुजफ्फरनगर द्वारा बिजनेस प्लान के सन्दर्भ में सम्यक जानकारी न दे पाने के कारण स्पष्टीकरण के निर्देश दिये गये। इसी तरह लखनऊ के अमौसी क्षेत्र के मुख्य अभियन्ता से भी बिजनेस प्लान के कार्यों में विलम्ब के कारण स्पष्टीकरण के निर्देश दिये गये। ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्तता के मुद्दे पर अधीक्षण अभियन्ता मुजफ्फरनगर से स्पष्टीकरण हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने सभी मुख्य अभियन्ताओं से पूँछा कि विद्युत आपूर्ति को लेकर किसी सामग्री आदि की कमी तो नहीं है। प्रबन्ध निदेशक को बताया गया कि सामग्री की कमी नहीं है। नितीश कुमार ने कहाकि ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्तता नहीं होने चाहिए इसके लिये फ्यूज सेट आदि आवश्यक उपकरण जरूर लगाये जायें। प्रबन्ध निदेशक मध्यांचल ने बताया कि राजधानी के कुछ स्थानों पर विद्युत आपूर्ति को लेकर समस्या आयी थी जिसे सामान्य कर दिया गया है। अधिकारी लगातार सतर्कता बरत रहें हैं। किसी सामग्री की कमी नहीं है। 1912 पर आने वाली समस्याओं का सक्रिय रूप से निस्तारण कराया जा रहा है। पावर कारपोरेशन के प्रबन्ध निदेशक ने कहाकि राजधानी लखनऊ में विद्युत आपूर्ति बेहतर रहे रहे, ट्रिपिंग न हो इसके लिये विशेष सतर्कता बरती जाये। प्रबन्ध निदेशक ने निर्देशित किया कि झटपट पोर्टल पर कोई आवेदन पेडिंग नहीं रहना चाहिए। इसकी रेग्यूलर मॉनीटरिंग हो। जिससे निर्धारित समय में कनेक्शन स्वीकृत हो सकें। मध्यांचल के अन्तर्गत दर्शननगर में झटपट पोर्टल पर ज्यादा आवेदन पेंडिंग रहने पर वहॉ के अधिशाषी अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि वे पेन्डेन्सी खत्म करें। अभियान चलाकर ट्रांसफार्मर की जॉच कर लें और आवश्यक अनुरक्षण पुनः करा लें। अधिशाषी अभियन्ता (मीटर), एस.डी.ओ. (मीटर), तथा अवर अभियन्ता (मीटर) यह सुनिश्चित कर लें।

अधिशाषी अभियन्ता आलापुर को ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्ता पर चेतावनी जारी करने के निर्देश दिये गये। प्रबन्ध निदेशक ने निर्देशित किया कि ट्रांसफार्मर के अनुरक्षण कार्यों के लिये अभियान के रूप में कार्य करायें। ट्रांसफार्मर के आस-पास मानक के अनुरूप सफाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहाकि विद्युत आपूर्ति में ट्रांसफार्मर का अत्यधिक महत्व है इसलिये वे क्षतिग्रस्त न हों इसके लिये पूरी सावधानी बरतें। यदि ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होंगे तो जिम्मेदारी तय करके वसूली एवं कार्यवाई होगी। गर्मी के मौसम में विद्युत दुर्घटनाओं की भी संभावना बढ़ जाती है। इसलिये कोई भी अनुरक्षण कार्य सुरक्षा मानक पूरा करने के साथ करायें जाये। विद्युत दुर्घटनाओं पर जीरो टॉलरेन्स की नीति है। लापरवाही पर सख्त कार्यवाई होगी। प्रबन्ध निदेशक ने निर्देशित किया कि स्मार्ट मीटर से सम्बन्धित शिकायतों का प्रतिदिन निस्तारण किया जाये। उन्होंने कहाकि उपभोक्ताओं का सही रीडिंग का बिल मिले इसमें हर स्तर पर सावधानी बरती जानी चाहिए। यदि त्रुटि पूर्ण बिल की कोई शिकायत आती है तो तत्काल उसे ठीक कराये।

संक्षेप

किशोरी हुई लापता पिता ने दर्ज कराया मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार अन्तर्गत नाबलिका को भगा ले जाने पर पिता द्वारा तहरीर दिए जाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित परिवार की महिला लखनऊ के पीजीआई अस्पताल में भर्ती थी, जहां शुक्रवार शाम करीब 5 बजे इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। परिवार के सदस्य और पिता उस समय अस्पताल में ही मौजूद थे। घर पर उनकी 16 वर्षीय नाबालिग बेटी अकेली थी। आरोप है कि इसी दौरान भैरमपुर निवासी राहुल नाम का युवक नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने साथ कहीं ले गया। थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया पीड़ित पिता की तहरीर पर चार आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस की टीमें गठित कर दी गई हैं और जल्द ही किशोरी को बरामद कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

ट्रांसफार्मर ठीक कर रहा युवक विद्युत करंट से झुलसा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शहर के सिविल लाइन क्षेत्र में मंगलवार सुबह ट्रांसफार्मर पर बिजली का कार्य करते समय एक कर्मी करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के बाद उसे तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने गंभीर हालत देखते हुए लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया।जानकारी के अनुसार, कल्याणी देवी निवासी अतुल गौतम पुत्र रामकुमार मंगलवार सुबह करीब 6 बजे ट्रांसफार्मर पर बिजली संबंधी कार्य कर रहे थे। इसी दौरान अचानक करंट लगने से वह बुरी तरह झुलस गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल उन्नाव जिला अस्पताल लाया गया। जिला अस्पताल में तैनात डॉक्टर आशीष सक्सेना ने घायल का प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकों के अनुसार, युवक की हालत गंभीर बनी हुई थी, जिसके चलते बेहतर इलाज के लिए उसे लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया।घटना की सूचना मिलते ही बिजली विभाग के जेई सहित अन्य अधिकारी भी जिला अस्पताल पहुंचे और मामले की जानकारी ली। फिलहाल घायल युवक का इलाज लखनऊ ट्रॉमा सेंटर में जारी है।

खुद को मीडियाकर्मी बताकर वाहन चालकों से अवैध वसूली करने वाले तीन युवक गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पुलिस ने खुद को मीडियाकर्मी बताकर वाहन चालकों से अवैध वसूली करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से नगदी और फर्जी प्रेस आईडी कार्ड बरामद किए हैं। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

दही थाना क्षेत्र स्थित फैक्ट्रियों में मवेशी लेकर आने वाले वाहन चालकों से जुड़ा है। अमेठी जिले के छोटा गुरियाना मोहल्ला निवासी अरविंद कुमार सोनकर उर्फ बबलू ने सदर कोतवाली में तहरीर दी। उन्होंने बताया किवह लोडर चालक हैं और मवेशियों को वाहन में लादकर फैक्ट्री लाने-ले जाने का काम करते हैं।पीड़ित चालक के अनुसार, एक रात वह मवेशियों से भरा वाहन लेकर रायबरेली मार्ग से दही थाना क्षेत्र जा रहे थे। तभी दो बाइकों पर सवार चार लोगों ने उनका वाहन रोक लिया। आरोप है कि सभी ने खुद को पत्रकार बताते हुए उन्हें वाहन से नीचे उतारा और धमकाने लगे। आरोपियों ने उनसे 25 हजार रुपये की मांग की।चालक के मना करने पर आरोपितों ने वाहन न जाने देने और हाथ-पैर तोड़कर जान से मारने की धमकी दी। डरे-सहमे चालक ने अपनी जान बचाने के लिए आरोपितों को 10 हजार रुपये दे दिए। इसके बाद उन्होंने मोबाइल फोन से मवेशी और वाहन मालिक को पूरी घटना की जानकारी दी। चालक का आरोप है कि जाते समय आरोपितों ने हर महीने 25 हजार रुपये दिलवाने की बात कही और रकम न देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। आरोपियों की पहचान प्रशांत तिवारी, पुष्पेंद्र, आमिर और शिव प्रताप सिंह के रूप में हुई है।तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। देर रात पुलिस ने सदर कोतवाली क्षेत्र के अवस्थी खेड़ा गांव निवासी प्रशांत तिवारी पुत्र बिंदादयाल, पहलीखेड़ा ललऊ खेड़ा निवासी पुष्पेंद्र यादव पुत्र राम बालक और छोटा चौराहा अब्बास बाग निवासी आमिर पुत्र सलीम को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से 8 हजार रुपये नगद और फर्जी प्रेस आईडी कार्ड बरामद किए हैं।पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी प्रशांत तिवारी के खिलाफ पहले से मारपीट और आईटी एक्ट से जुड़े 3 मुकदमे दर्ज हैं।पुष्पेंद्र यादव पर कानपुर नगर के महाराजपुर थाना में किशोरी को अगवा कर दुष्कर्म करने का मामला दर्ज बताया गया है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और फरार अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

हादसे की मनहूस खबर से परिजनों व बिजली विभाग में मचा कोहराम

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव।थाना दही क्षेत्र में उस वक्त भारी सनसनी फैल गई, जब दरोगा खेड़ा स्थित सारय कटियान स्थित नहर में एक युवक का शव बरामद हुआ। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। मृतक की शिनाख्त बिजली विभाग में तैनात जूनियर इंजीनियर (जेई/टीजी-2) उम्र 32 वर्षआशीष विश्वकर्मा पुत्र कमलेश विश्वकर्मा के रूप में हुई है। आशंका जताई जा रही है कि नहर में नहाने के दौरान गहरे पानी में चले जाने से यह दर्दनाक हादसा हुआ। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

विभाग और परिजनों में पसरा मातम

जानकारी के मुताबिक, मृतक आशीष विश्वकर्मा दही थाना क्षेत्र स्थित पावर हाउस में ही अपनी सेवाएं दे रहे थे। हादसे की मनहूस खबर जैसे ही बिजली विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों तक पहुंची, वहां शोक की लहर दौड़ गई। वहीं, घटना की औपचारिक सूचना पाकर रोते-बिलखते परिजन भी बदहवास हालत में पहुंच गए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा मौत का असल राज

घटना की सूचना पर मुस्तैदी दिखाते हुए दही थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को नहर से बाहर निकलवाया। मामले की जानकारी देते हुए थाना दही के प्रभारी ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया, ₹प्रारंभिक जांच और परिस्थितियों को देखकर यही प्रतीत हो रहा है कि आशीष नहर में नहाने के लिए गए थे, जहां गहरे पानी में चले जाने से डूबकर उनकी मौत हो गई। हालांकि, मौत की असली वजह का सटीक खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।

आगे की कार्रवाई में जुटी पुलिस

फिलहाल, पुलिस ने मौके पर पंचनामे की कार्रवाई पूरी कर शव को विच्छेदन गृह (पोस्टमार्टम) के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। जहां से आज शव मिलने के बाद गंगा घाट दाह संस्कार कर दिया गया वह अपने पीछे दो छोट गए हैं जिनका नाम बड़ी पुत्री8 वर्षत्रिशिका दूसरी पुत्री इशिका वह पत्नी सरिता को रोता भी लगता छोड़कर छोड़ गए वहीं परिजनों तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है पुलिस हर मामले की जांच कर रही है और नियमानुसार आगे की वैधानिक व कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

विशाल भंडारे के साथ श्री मद भागवत कथा का हुआ समापन

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव।तहसील क्षेत्र के बिरवार-जमीपुर गाँव के शीतला माता मंदिर में सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का समापन विशाल भंडारे के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सैकड़ो श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

भागवत आचार्य प० श्री राजेश रत्न ने इस अवसर पर बताया कि श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण और मनन से जीव का उद्धार होता है तथा उसे मुक्ति मिलती है। उन्होंने प्रत्येक मनुष्य को इस कथा का रसपान करने और कथा के बाद होने वाले भंडारे के विशेष महत्व पर जोर दिया। यज्ञ स्थल पर पुरोहितो द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश स्थापना से लेकर समापन तक के सभी अनुष्ठान विधिवत संपन्न करायें.

श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर सुख-समृद्धि की कामना की. इस आयोजन के मुख्य यजमान पुरोहित राजकुमार शुक्ल और उनका परिवार रहा. विशाल भंडारे को सफल बनाने में रूप नारायण शुक्ला,उदय शंकर शुक्ला,प्रदीप,संतोष शुक्ला ,मुन्ना शुक्ला,अरुण शुक्ला, कमलेश पांडेय ,दिनेश मिश्रा, आदित्य, जितेंद्र सिंह, डब्बू सिंह , हरिनाम सिंह,विक्रांत सिंह ,पूनम, संविदा ,रश्मि ,नेहा, सुशीला, नीलम सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार को मारी टक्कर देवर भाभी की मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मौरावां थाना क्षेत्र में सोमवार रात एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार देवर और भाभी को कुचल दिया। इस हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद डंपर चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मृतकों की पहचान रायबरेली जनपद के पाहो गांव निवासी अनिल सिंह (27) और उनकी भाभी काजल (23) पत्नी अतुल सिंह के रूप में हुई है। अनिल अपने दो भाइयों में से एक थे। काजल की शादी करीब दो साल पहले हुई थी और उनका मायका उन्नाव जिले के राजेपुर पतारी गांव में था। वह अपनी दो बहनों और एक भाई में सबसे बड़ी थीं।परिजनों के अनुसार, काजल सोमवार शाम को चौधरी खजान सिंह डिग्री कॉलेज में ग्रेजुएशन की परीक्षा और प्रैक्टिकल देने आई थीं। परीक्षा समाप्त होने के बाद वह अपने देवर अनिल सिंह के साथ बाइक से रायबरेली के पाहो गांव स्थित अपने घर लौट रही थीं। मौरावां थाना क्षेत्र में पहुंचने पर एक तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े और डंपर उन्हें रौंदते हुए आगे निकल गया। हादसे में दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई और उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी।मौरावां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने फरार डंपर और उसके चालक की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी चालक की तलाश के लिए एक टीम गठित की गई है और उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शारदा नहर में नहा रहे युवक की गहरे पानी में डूबने से मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र में मंगलवार की दोपहर शारदा नहर में नहा रहा युवक गहरे पानी में डूब गया साथ में गए अन्य युवकों ने बचाने का प्रयास किया लेकिन सफल नही हुए घटना की सूचना पर ग्रामीणों के साथ परिजन मौके पर पहुंचे और युवक को बाहर निकाल कर मियागंज अस्पताल ले गए जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज। फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के सेला पुर गांव निवासी मनोज पुत्र कल्लू राम 40 मंगलवार की सुबह इसी थाना क्षेत्र के खेवरई गांव बहन कुसुमा की ससुराल आया था और दोपहर में गांव के अन्य युवकों के साथ शारदा नहर नहाने चला गया नहर में नहाते समय गहरे में फस कर डूब गया ग्रामीणों के सहयोग से युवक को बाहर निकाल कर मियागंज अस्पताल ले गए जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया मृतक तीन भाइयों राम प्रसाद, साहब लाल और बहन कुसमा के बीच सबसे छोटा था मृतक की एक बेटी शिवानी एक बेटा नितेश है पति की मौत से पत्नी मंजू देवी मां लीला वती सहित परिजन रोते बिलखते हुए अस्पताल पहुंचे इस सम्बंध में थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि अस्पताल की सूचना पर शव पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है पीएम रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्यवाही की जाएगी।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत, ठेलिया चालक घायल

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के गांव मगरायर में मंगलवार सुबह लगभग 10 बजे बीघापुर-पुरवा मार्ग पर बाइक और आइसक्रीम ठेलिया की आमने-सामने हुई टक्कर में एक युवक की मौत हो गई, जबकि ठेलिया चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

ग्रामीणों के अनुसार मगरायर गांव स्थित आचार्य नन्द दुलारे बाजपेयी पार्क के निकट गांव निवासी 22 वर्षीय प्रदीप उर्फ अमर गौतम किसी कार्य से घर से निकला था। जैसे ही वह गांव के अंदर से मुख्य सड़क पर पहुंचा, तभी चमियानी की ओर से रियल आइसक्रीम की ठेलिया लेकर आ रहे गांव निवासी 40 वर्षीय रविशंकर की ठेलिया से उसकी बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई।

हादसे की सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को बीघापुर स्थित 100 बेड अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्रदीप को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल रविशंकर को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि हादसे के समय प्रदीप हेलमेट नहीं लगाए था।

मृतक प्रदीप राजस्थान के बाड़मेर में एक निजी कंपनी में कार्य करता था। वह पारिवारिक चाचा बुद्धिलाल के यहां आयोजित मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 8 मई को गांव आया था और इसी सप्ताह वापस जाने वाला था। प्रदीप अविवाहित था तथा पिता की करीब 10 वर्ष पूर्व बीमारी से मौत हो चुकी है। बहन गुड़िया का विवाह हो चुका है। परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी प्रदीप के कंधों पर ही थी।

घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल पहुंची मां मीना पुत्र का शव देखकर बेसुध हो गई। उनका रो-रोकर बुरा हाल था। वह बार-बार यही कह रही थीं कि मेरा तो सब कुछ चला गया, अब हम किसके सहारे जिएंगे।

घटना के बाद गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।

बाइक सवार व छेटा हाथी लोडर की आमने सामने भिड़ंत दो युवकों की मौत

हादसा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा थाना क्षेत्र के रानीपुर गांव में ईट भट्ठे में कार्य कर रहे नग्घिया गांव थाना फूल बहेड़ा जिला लखीमपुर निवासी 22 वर्षीय अमर सिंह पुत्र शिवराम व 18 वर्षीय आकास पुत्र छोटे लाल निवासी उपरोक्त सोहरामऊ थाना के चिलौली के 34 वर्षीय सुमित पुत्र जगदीश जो ईट भट्ठे पर मुशी के रूप में कार्यरत है , तीनो किसी काम से बाइक से मौरांवा जा रहे थे मौरावां ,मोहनलालगंज मार्ग पर अभी तीनो सरवन गांव के पास हिंदुस्तान पेट्रोल पंप के पास पहुंचे ही थे कि मौरांवा की तरफ से आरहे छोटा हांथी लोडर से सीधी टक्कर हो गई , टक्कर लगते ही तीनो उछल कर गिर गए ,जिसमे आकाश व अमर की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई ,वही घायल मुंसी सुमित को सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र असोहा लाई जहां डॉक्टरों ने गंभीर हालत देखते सुमित को जिला अस्पताल भेज दिया दोनो म्रतक ईटभट्ठे पर पिछ्ले छह माह से ईंट पाथई का काम रहे थे ,इससे पूर्व सोहरामऊ थाना छेत्र के नयाखेड़ा स्थित अरविंद ब्रिक फील्ड पर कार्य करते थे ।म्रतक रिश्ते में मामा भांजे है ।म्रतक अमर सिंह तीन बहनों दो भाइयो में चौथे नम्बर का था ,वही म्रतक आकाश तीनबहनो में सबसे छोटा था ,म्रतक आकाश के पिता की मौत हो चुकी है तथा बहनों की शादी हो गई है।

तालाब में पड़ा मिला अज्ञात युवक का शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन थाना क्षेत्र के ग्राम कुसुम्भी के बाहर स्थित एक तालाब में मंगलवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव मिला। शव मिलने की सूचना पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। अजगैन थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।पुलिस के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 8:20 बजे अजगैन थाने को सूचना मिली कि कुसुम्भी गांव के बाहर तालाब में एक युवक का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और तालाब से शव को बाहर निकलवाया। मृतक की उम्र लगभग 32 वर्ष बताई जा रही है। घटनास्थल के पास से एक बाइक भी बरामद हुई है, जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। आशंका जताई जा रही है कि युवक उसी बाइक से वहां पहुंचा होगा। हालांकि, अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और मृतक की शिनाख्त कराने का प्रयास जारी है।शव मिलने की खबर से इलाके में चर्चाएं तेज हो गई हैं। स्थानीय लोग घटना को लेकर विभिन्न कयास लगा रहे हैं। कुछ ग्रामीणों का मानना है कि युवक तालाब में डूब गया होगा, जबकि कुछ इसे संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत मान रहे हैं। पुलिस ने अभी किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मॉर्चरी हाउस भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। इसके साथ ही, बरामद बाइक के नंबर के आधार पर मृतक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।अजगैन थाना कोतवाल सुरेश सिंह ने बताया कि आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों का भी मिलान कराया जा रहा है। पुलिस मृतक के परिजनों का पता लगाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ससुराल से लौटते ही रहस्यमयी परिस्थितियों में लापता हुआ नेवी जवान का नहर से मिला शव

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब शारदा नहर में एक नौसेना (नेवी) का जवान संदिग्ध परिस्थितियों में डूब गया। घटना के अगले दिन यानी मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे स्थानीय गोताखोरों और एनडीआरएफ (ठऊफ੍ऋ) की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद जवान का शव बरामद कर लिया है। इस दर्दनाक घटना के बाद से जहां मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है, वहीं परिजनों के गंभीर आरोपों के आधार पर पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ शुरू कर दी है।

ससुराल से लौटने के बाद अचानक कैसे पहुंचा नहर

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान पुरवा कस्बे के जोतपुर मोहल्ला निवासी मोहित बाजपेई (33) पुत्र मुन्ना बाजपेई के रूप में हुई है, जो भारतीय नौसेना (नेवी) में तैनात था। बताया जा रहा है कि मोहित शनिवार को अपनी ससुराल भगवन्तनगर गया था। वहां से लौटने के बाद वह शारदा नहर की झाल तक किन परिस्थितियों में और किसके साथ पहुंचा, यह अभी भी एक बड़ा यक्ष प्रश्न बना हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो युवक अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने से ठीक पहले उसने मदद के लिए आवाज भी लगाई थी।

नशे में धुत दोस्त पर गहराया शक, पुलिस ने दबोचा

इस पूरे मामले में उस वक्त नया और सनसनीखेज मोड़ आ गया, जब

परिजनों ने मोहित के ही एक दोस्त पर शक जाहिर करते हुए सीधे आरोप मढ़े। परिजनों का कहना है कि नगर के राजा बाजार का रहने वाला अंकित साहू ही मोहित को अपने साथ घटनास्थल पर लेकर गया था। हैरान करने वाली बात यह है कि घटना की सूचना भी अंकित ने ही फोन पर दी, लेकिन उस समय वह अत्यधिक नशे की हालत में था। परिजनों की तहरीर और शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अंकित को हिरासत में ले लिया है।

घटनास्थल पर मिलीं संदिग्ध वस्तुएं, पार्टी या साजिश

पुलिस को तफ्तीश के दौरान घटनास्थल से एक नीले रंग का बैग और बीयर का खाली कैन भी बरामद हुआ है। इन चीजों के मिलने के बाद मामले में किसी अनहोनी, गहरी साजिश या नदी किनारे चल रही पार्टी की आशंका को बल मिल रहा है। पुलिस इन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखकर जांच को आगे बढ़ा रही है।

NDRF की टीम ने निकाला शव, मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

सोमवार को घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल के साथ गोताखोरों की टीम रेस्क्यू में जुट गई थी। देर शाम तक सफलता न मिलने पर तुरंत एनडीआरएफ (NDRF) की टीम को मोर्चे पर उतारा गया। आखिरकार मंगलवार सुबह 10:30 बजे गोताखोरों की मदद से मोहित की लाश को नहर से बाहर निकाला जा सका।देश की सेवा करने वाले जवान के इस तरह अचानक चले जाने से मां सुशीला बाजपेई, पत्नी रिचा, तीन वर्षीय मासूम बेटी मानवी और दो वर्षीय बेटे शिवांशु का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे इलाके में इस घटना को लेकर शोक और तनाव का माहौल है।

?अधिकारी का वक्तव्य:

युवक की तलाश के लिए स्थानीय गोताखोरों के साथ-साथ एनडीआरएफ (NDRF) की टीम को रेस्क्यू ऑपरेशन में लगाया गया था, जिसके बाद शव को बरामद कर लिया गया है। हिरासत में लिए गए युवक से सघन पूछताछ जारी है और मामले के हर पहलू की गहनता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पूछताछ के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आलू लदे पिकअप में बस ने पीछे से मारी टक्कर चालक घायल

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। आलू लदे पिकअप लोडर में बस की पीछे से टक्कर लगने से लोडर चालक घायल हो गया जिसे बांगरमऊ अस्पताल में भर्ती कराया गया घटना के बाद यूपीडा टीम ने घटनास्थल का रेस्क्यू कराया। चालक देवीप्रसाद 45 वर्ष पुत्र रामखेलावन निवासी मुंशीगंज लखनऊ एक पिकअप लोडर में आलू की बोरिया लोडकर आगरा से लखनऊ की तरफ जा रहा था तभी मंगलवार को सुबह करीब 4 बजे बेहटामुजावर थाना क्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हवाई पट्टी पर पीछे से आई एक निजी कंपनी की सवारी बस की पीछे से टक्कर हो गई इस हादसे में लोडर का चालक घायल हो गया जबकि लोडर पर लदी आलू की बोरिया मार्ग पर बिखर गई।हादसे की सूचना पर यूपीडा रेस्क्यू टीम ने घायल लोडर चालक को बांगरमऊ अस्पताल में भर्ती कराया गया।तथा दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सुरक्षित स्थान पर खड़ा कराया गया। चर्चा बनी रही कि हादसे के वक्त लोडर चालक को झपकी लगने से अनियंत्रित होकर अचानक लोडर ओवर टेक लेन में पहुंच गया जिससे बस चालक कुछ समझ पाता तब तक टक्कर लग गई गनीमत रही बस सवार सभी लोग सुरक्षित रहे।हादसे के बाद लोडर चालक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बस की सवारियों द्वारा लोडर चालक की पिटाई भी करने की चर्चा होती रही । वही बस का चालक अनुराग पुत्र रामदास दिल्ली से बस लेकर बस्ती जा रहा था।

केंद्र की सरकार को बनाने और गिराने की ताकत रखने वाले कुछ प्रमुख क्षेत्रीय दल आज अपने ही गढ़ों में बेहद सीमित होकर रह गए हैं। हाल ही में हुए बिहार, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे कई राज्यों में चुनाव परिणाम इसी ओर इशारा कर रहे हैं। मतदाता अब जागरूक हो गए हैं। वे केवल क्षेत्रीय पहचान, भाषायी अस्मिता और स्थानीय भावनाओं के आधार पर वोट नहीं कर रहे, बल्कि विकास, स्थिर नेतृत्व और राष्ट्रीय दृष्टि को भी प्राथमिकता देने लगे हैं। कह सकते हैं कि लंबे समय तक सत्ता में बने रहने वाले क्षेत्रीय दलों के सामने अब नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। भारतीय राजनीति में निर्णायक बदलाव 2014 के बाद देखने को मिला। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता हासिल की और उसके बाद राष्ट्रीय राजनीति का चरित्र तेजी से बदलने लगा। इससे पहले केंद्र में बनने वाली सरकारें क्षेत्रीय दलों के समर्थन पर निर्भर रहती थीं। क्षेत्रीय दलों के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने की है। बदलते राजनीतिक दौर में यदि क्षेत्रीय दलों को अपना अस्तित्व बचाना है, तो उन्हें अपनी एकाधिकार वाली सोच को बदलना होगा। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि क्षेत्रीय दल नई परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल पाते हैं या नहीं। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...।***

खत्म हो रहा क्षेत्रीय दलों का वर्चस्व !

विश्लेषण
अनिरुद्ध प्रताप सिंह
स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय राजनीति, लंबे समय तक, क्षेत्रीय दलों की शक्ति और प्रभाव के इर्द-गिर्द घूमती रही है। साल 1989 के बाद का दौर ऐसा था, जब केंद्र की सत्ता में कोई भी राष्ट्रीय दल अपने दम पर स्थिर बहुमत हासिल नहीं कर पा रहा था। उस समय क्षेत्रीय दल न केवल राज्यों की राजनीति नियंत्रित करते थे, बल्कि दिल्ली की सत्ता के गठन और संचालन में भी निर्णायक भूमिका निभाते थे। राष्ट्रीय परिदृश्य यह संकेत देता है कि मतदाताओं का झुकाव धीरे-धीरे राष्ट्रीय दलों की ओर बढ़ रहा है। विपक्षी दल लगातार संघीय ढांचे, राज्यों के अधिकारों और केंद्र सरकार की नीतियों को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

भारतीय राजनीति एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर जा पहुंची है, जहां दशकों तक सत्ता और समीकरण तय करने वाले क्षेत्रीय दलों का प्रभाव घटता दिखाई दे रहा है। कभी केंद्र की सरकारों को बनाने और गिराने की ताकत रखने वाले ये दल आज अपने ही गढ़ों में बेहद सीमित होकर रह गए हैं। पश्चिम बंगाल से तमिलनाडु और ओडिशा तक हालिया चुनाव परिणामों में देखा जा सकता है कि मतदाता अब केवल क्षेत्रीय पहचान, भाषाई अस्मिता और स्थानीय भावनाओं के आधार पर वोट नहीं कर रहे, बल्कि विकास, स्थिर नेतृत्व और राष्ट्रीय दृष्टि को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। भारतीय राजनीति, लंबे समय तक, क्षेत्रीय दलों की शक्ति और प्रभाव के इर्द-गिर्द घूमती रही है। साल 1989 के बाद का दौर ऐसा था, जब केंद्र की सत्ता में कोई भी राष्ट्रीय दल अपने दम पर स्थिर बहुमत हासिल नहीं कर पा रहा था। उस समय क्षेत्रीय दल न केवल राज्यों की राजनीति नियंत्रित करते थे, बल्कि दिल्ली की सत्ता के गठन और संचालन में भी निर्णायक भूमिका निभाते थे। लेकिन हाल के विधानसभा चुनावों ने एक नई बहस को जन्म दिया है।

क्षेत्रीय दलों का रहा स्वर्णकाल

क्या भारत में क्षेत्रीय दलों का स्वर्णकाल समाप्ति की ओर बढ़ रहा है? पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस और तमिलनाडु में डीएमके जैसी मजबूत क्षेत्रीय पार्टियों को हालिया चुनावों में उम्मीद से कहीं अधिक नुकसान हुआ है। बंगाल में भाजपा का अभूतपूर्व प्रदर्शन और तमिलनाडु में डीएमके की हार ने यह संकेत दिया है कि मतदाता अब केवल क्षेत्रीय पहचान की राजनीति से प्रभावित नहीं हो रहे। यह बदलाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक प्राथमिकताओं में बदलाव का संकेत भी माना जा रहा है। तमिलनाडु की राजनीति इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आई है। दशकों तक द्रविड़ राजनीति और तमिल अस्मिता के मुद्दों पर चुनाव जीतने वाली डीएमके को इस बार जनता ने सत्ता से बाहर कर दिया। यहां तक कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन स्वयं अपनी सीट नहीं बचा सके। यह केवल एक नेता की हार नहीं, बल्कि उस राजनीतिक नैरेटिव को चुनौती है, जो लंबे समय तक तमिल पहचान के आधार पर मजबूत बना रहा। हाल के चुनाव परिणामों ने यह स्पष्ट किया है कि मतदाता अब बदलाव और प्रशासनिक प्रदर्शन को अधिक महत्व देने लगे हैं।

राज्यों में सत्ता विरोधी लहर

क्षेत्रीय अस्मिता और स्थानीय भावनाओं के साथ-साथ अब विकास, स्थिरता और मजबूत नेतृत्व जैसे मुद्दे निर्णायक बनते जा रहे हैं। तमिलनाडु में डीएमके के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर ने उसके पारंपरिक वोट बैंक को प्रभावित किया। दिल्ली और पंजाब तक सीमित रह गई आम आदमी पार्टी का कमजोर होता प्रभाव भी इसी बदलाव का हिस्सा माना जा सकता है। तकनीकी रूप से राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त होने के बावजूद उसका प्रभाव सीमित रहा और हाल के समय में उसे राजनीतिक झटके झेलने पड़े। इसी तरह वामपंथ की सबसे बड़ी पार्टी सीपीआई (एम) भी अब केरल तक सिमटती दिखाई दे रही है। ओडिशा में नवीन पटनायक की बीजू जनता दल की हार ने भी इस प्रवृत्ति को मजबूत किया। करीब 24 वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद बीजेडी का सत्ता से बाहर होना यह दर्शाता है कि लंबे समय तक सत्ता में बने रहने वाले क्षेत्रीय दलों के सामने अब नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। भाजपा ने वहां केवल चुनाव नहीं जीता, बल्कि क्षेत्रीय राजनीति के सबसे मजबूत गढ़ों में सेंध लगाने का संदेश दिया। हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि सभी क्षेत्रीय दल समाप्ति की ओर बढ़ रहे हैं।

झारखंड व जेके में पकड़ कायम

झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड मुक्ति मोर्चा अभी भी मजबूत स्थिति में है। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस की राजनीतिक पकड़ भी बनी हुई है। लेकिन इन राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियां अलग हैं और वहां सामाजिक-सांस्कृतिक समीकरण राष्ट्रीय राजनीति से अलग रूप लेते हैं। इसके बावजूद व्यापक राष्ट्रीय परिदृश्य यह संकेत देता है कि मतदाताओं का झुकाव धीरे-धीरे राष्ट्रीय दलों की ओर बढ़ रहा है। विपक्षी दल लगातार संघीय ढांचे, राज्यों के अधिकारों और केंद्र सरकार की नीतियों को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। राज्यों को फंड आवंटन, केंद्रीय एजेंसियों के उपयोग और परिसीमन जैसे विषयों पर बहस तेज हुई है, लेकिन इन मुद्दों का चुनावी असर सीमित दिखाई दिया। समाजवादी पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में उल्लेखनीय प्रदर्शन जरूर किया, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा की राजनीतिक पकड़ कमजोर नहीं हुई। भाजपा की सीटें कम होने के बावजूद उसका प्रभाव बरकरार रहा और उसके सहयोगी दल भी उसके साथ मजबूती से खड़े दिखाई दिए। इससे यह संकेत मिला कि राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा अभी भी केंद्रीय शक्ति बनी हुई है। भारतीय राजनीति में निर्णायक बदलाव 2014 के बाद देखने को मिला। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता हासिल की और उसके बाद राष्ट्रीय राजनीति का चरित्र तेजी से बदलने लगा। इससे पहले केंद्र में बनने वाली सरकारें क्षेत्रीय दलों के समर्थन पर निर्भर रहती थीं। भाजपा की मजबूत पकड़ ने समाजवादी पार्टी, बसपा, आरजेडी, शिवसेना और एनसीपी जैसे दलों को कमजोर कर दिया। कई क्षेत्रीय दलों में विभाजन हुआ और उनके गुट राष्ट्रीय गठबंधनों का हिस्सा बन गए। बिहार में जनता दल (यूनाइटेड) ने लंबे समय तक राजनीतिक संतुलन बनाए रखा, लेकिन वहां भी भाजपा का प्रभाव लगातार बढ़ा।

राजनीतिक प्रासंगिकता का सवाल

तेलंगाना में बीआरएस जैसी पार्टी, जिसने राज्य निर्माण की राजनीति के आधार पर अपनी पहचान बनाई थी, उसे कांग्रेस ने सत्ता से बाहर कर दिया। यह दर्शाता है कि केवल क्षेत्रीय पहचान अब चुनावी सफलता की गारंटी नहीं रह गई है। क्षेत्रीय दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने की है। तमिलनाडु, तेलंगाना और केरल जैसे राज्यों में राष्ट्रीय दलों की बढ़ती सक्रियता आने वाले समय में राजनीति की दिशा बदल सकती है। फिर भी भारतीय लोकतंत्र की विविधता को देखते हुए क्षेत्रीय दलों की भूमिका पूरी तरह समाप्त होती नहीं दिखाई देती। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि क्षेत्रीय दल नई परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल पाते हैं या नहीं।

द्रविड़ राजनीति के नए अध्याय की शुरुआत

सियासत
भूपेन्द्र
वरिष्ठ पत्रकार

तमिलनाडु की राजनीति पांच दशकों से द्रविड़ दलों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। एम. करुणानिधि और जे. जयललिता जैसे नेताओं ने राज्य की राजनीति को ऐसी दिशा दी, जहां राष्ट्रीय दल हमेशा सीमित भूमिका में दिखाई दिए। लगभग छह दशकों में पहली बार ऐसा हुआ कि "द्रविड़" शब्द के बिना किसी पार्टी ने तमिलनाडु की सत्ता संभाली। हालांकि, टीवीके और विजय द्रविड़ विचारधारा से कितनी दूरी बनाए रखेंगे, यह अभी देखना बाकी है। क्योंकि सत्ता संभालने के तुरंत बाद ही विजय ने द्रविड़ आंदोलन के प्रमुख नेता पेरियार ई.वी. रामासामी को श्रद्धांजलि अर्पित की, लेकिन अब, अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलागा वेट्री कजगम (टीवीके) की ऐतिहासिक जीत और विजय के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह सवाल तेजी से उठ रहा है कि क्या तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति का युग समाप्त हो रहा है? इस प्रश्न का उत्तर इतना सीधा नहीं है। टीवीके की जीत निश्चित रूप से तमिल राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है, लेकिन इसे द्रविड़ राजनीति के अंत के रूप में देखना जल्दबाजी हो सकती है। तमिलनाडु में द्रविड़ आंदोलन केवल राजनीतिक विचारधारा नहीं रहा, बल्कि सामाजिक न्याय, क्षेत्रीय पहचान और हिंदी विरोध की भावना से जुड़ा एक सांस्कृतिक आंदोलन था। सीएन अन्नादुराई और पेरियार ईवी रामासामी ने जिस आंदोलन की शुरुआत की, उसने ब्राह्मणवादी वर्चस्व, जातीय असमानता और केंद्र के प्रभुत्व के खिलाफ एक नई राजनीतिक चेतना पैदा की। इसी कारण द्रमुक और अन्नाद्रमुक जैसी पार्टियां केवल चुनावी संगठन नहीं रहीं; वे तमिल पहचान का हिस्सा बन गईं। मुफ्त योजनाएं, सामाजिक कल्याण, शिक्षा और क्षेत्रीय गौरव-इन सब ने द्रविड़ दलों को जनता के बीच मजबूत आधार दिया। तमिलनाडु में इस बदलाव के पीछे कई कारण रहे हैं। तमिलनाडु का राजनीतिक इतिहास राजनीतिक नाटकीयता का अभ्यस्त रहा है, जहां सिनेमा और सत्ता अक्सर एक ही धारा में घुल-मिल जाते हैं। एम. जी. रामचंद्रन और फिर जे. जयललिता के बाद से कुछ वर्षों में तमिलनाडु की राजनीति में नेतृत्व का संकट साफ दिखाई देने लगा था। एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक सत्ता में बनी रही, लेकिन युवाओं के बीच राजनीति को लेकर एक नई बेचैनी भी उभरी। अन्नाद्रमुक लगातार आंतरिक संघर्ष से कमजोर होती गई। ऐसे माहौल में विजय ने खुद को "नई राजनीति" के प्रतीक के रूप में पेश किया। फिल्मों में उनकी लोकप्रियता पहले से ही बहुत बड़ी थी, लेकिन उन्होंने केवल स्टारडम पर निर्भर रहने के बजाय बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक सुधार जैसे मुद्दों को उठाया। जो टीवीके की जीत के पीछे मुख्य बड़ा कारण रही। टीवीके की जीत के पीछे दूसरा सबसे बड़ा कारण है लंबे समय से द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच घूमती राजनीति से जनता का एक वर्ग थक चुका था, मुख्य रूप से युवा, इसलिए युवाओं का समर्थन विजय की पार्टी टीवीके को मिला और पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं ने पारंपरिक राजनीति से अलग विकल्प चुना। टीवीके की जीत तमिलनाडु की राजनीति में एक ऐतिहासिक मोड़ जरूर है, लेकिन इसे द्रविड़ राजनीति के अंत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह अधिक सही होगा कि इसे द्रविड़ राजनीति के "नए अध्याय" की शुरुआत कहा जाए। इस जीत के बाद विजय की सबसे बड़ी चुनौती अब चुनाव जीतना नहीं, बल्कि यह साबित करना होगी कि क्या वे वहां की जनता की उम्मीदों के अनुरूप शासन दे सकते हैं। आने वाले वर्षों में यह तय होगा कि टीवीके केवल एक करिश्माई लहर थी या तमिलनाडु की राजनीति का एक स्थायी भविष्य। विजय खुद भले नई राजनीति की बात करते हों, लेकिन उनकी राजनीति पूरी तरह द्रविड़ विचारधारा से अलग नहीं दिखती।

एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक सत्ता में बनी रही, लेकिन युवाओं के बीच राजनीति को लेकर एक नई बेचैनी भी उभरी। अन्नाद्रमुक लगातार आंतरिक संघर्ष से कमजोर होती गई। ऐसे माहौल में विजय ने खुद को "नई राजनीति" के प्रतीक के रूप में पेश किया।

सामाजिक न्याय, तमिल पहचान और कल्याणकारी योजनाओं पर उनका जोर द्रविड़ राजनीति की ही विरासत को आगे बढ़ाता है। अंतर केवल शैली और नेतृत्व में है। टीवीके अधिक आधुनिक, युवा-केंद्रित राजनीति करती है। विजय की छवि पारंपरिक नेताओं से अलग, "सिस्टम बदलने वाले" नेता की बनाई गई है। इसलिए कहा जा सकता है कि तमिलनाडु में द्रविड राजनीति खत्म नहीं हुई है; बल्कि उसका नया संस्करण सामने आया है।

घटते- घटते इस बार वामदलों का पूरा सफाया

संकेत
डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र टिप्पणीकार

केरल में 2026 विधानसभा चुनाव में एलडीएफ सरकार के सत्ता से हटने के बाद, भारत के नक्शे पर एक भी राज्य ऐसा नहीं बचा, जहां वामपंथी दलों का सीधा शासन हो। 1967 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है जब वामपंथ के तीन गढ़ों- त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और केरल में से एक में भी वे सत्ता में नहीं हैं। यह चुनावी हार भारतीय राजनीति में लेफ्ट के खात्मे का संकेत है। केरल में लेफ्ट फ्रंट वैकल्पिक रूप से सत्ता में आता रहा है। 2021 में एलडीएफ ने 99 सीटें जीतकर इतिहास रचा था। यह पहली बार था जब वहां कोई गठबंधन लगातार दूसरी बार जीता, लेकिन 2024 लोकसभा चुनाव में एलडीएफ को 19 में से महज 1 सीट मिली जबकि यूडीएफ को 18 सीटें मिलीं। यह संकेत था कि 2026 विधानसभा में बदलाव होगा और ऐसा हुआ भी। केरल में एलडीएफ का वोट शेयर 2021 में 49% के मुकाबले गिरकर 2026 में 34% रह गया। जबकि यूडीएफ का वोट शेयर 38% से बढ़कर 48% हो गया यानी 10 प्रतिशत का उछाल।

भारत में वामपंथी दलों का राष्ट्रीय वोट शेयर बीते 35 वर्षों से लगातार गिर रहा है। 1989 लोकसभा चुनाव में लेफ्ट को 8.03 फीसदी वोट और 53 सीटें मिली थीं। 2014 लोकसभा में यह वोट शेयर घटकर 4.08 प्रतिशत और 10 सीटों तक सीमित हो गया। 2019 लोकसभा में लेफ्ट को महज 2.93 फीसदी वोट और 5 सीटें मिलीं। 2024 लोकसभा में यह घटकर 2.63 प्रतिशत और महज 7 सीटों तक सिमट गया। राष्ट्रीय परिदृश्य में वामपंथ के सिमटने के तीन मुख्य कारण हैं- पहला, क्षेत्रीय दलों का उदय। पश्चिम बंगाल में टीएमसी, त्रिपुरा में बीजेपी, केरल में कांग्रेस ने वामपंथी मतदाता को खींचा। वामपंथी वोटर अब विचारधारा से ज्यादा सत्ता-विरोध और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर वोट करता है। दूसरा, आर्थिक मॉडल की चुनौती। केरल में 94% साक्षरता है लेकिन बेरोजगारी 12% है। वहीं बीजेपी और कांग्रेस ने "विकास+रोजगार" का नारा देकर युवाओं को आकर्षित किया। तीसरा, राष्ट्रीय राजनीति में 2014 के बाद वामपंथी दलों ने कांग्रेस से दूरी बना ली। राष्ट्रीय बहस में आर्थिक मुद्दों की जगह पहचान, राष्ट्रवाद ने ले ली, जहां वामपंथी नैरेटिव कमजोर पड़ता है। दक्षिण भारत के एक दूसरे राज्य तमिलनाडु की राजनीति भारत में सबसे अलग रही है। यहां न तो कांग्रेस का एकाधिकार कभी पूरी तरह बना और न ही बीजेपी का सीधा प्रवेश हुआ। इसका कारण है द्रविड़ आंदोलन और पेरियार ई. वी. रामासामी की विचारधारा जिसने बीते 80 वर्षों से राज्य की सत्ता को परिभाषित किया। तमिलनाडु की राजनीति की जड़ें 1920 के दशक में हैं। ई. वी. रामासामी 'पेरियार' ने 1925 में आत्मसम्मान आंदोलन शुरू किया। 1938 में हिंदी अनिवार्यता के खिलाफ आंदोलन में पेरियार की पत्नी नागम्माई और बहन मुथम्मल ने 1700 महिलाओं के साथ जेल भराव किया। इसी आंदोलन से सी. एन. अन्नादुराई निकले जिन्होंने 1949 में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) बनाई। 1967 में डीएमके ने पहली बार कांग्रेस को हराया। इस चुनाव में डीएमके को 138 सीटें, कांग्रेस को 50 सीटें मिलीं। यह दक्षिण भारत में कांग्रेस की पहली बड़ी हार थी। 1967 के बाद तमिलनाडु में राजनीति दो ध्रुवों में बंट गई। एक तरफ पेरियार के तर्कवाद, तमिल पहचान और सामाजिक न्याय पर जोर के साथ डीएमके थी तो दूसरी ओर 1972 में एम. जी. रामचंद्रन द्वारा बनाई गई यानी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम। एमजीआर ने डीएमके से अलग होकर फिल्मी लोकप्रियता और अम्मा छवि से राजनीति की। खास बात यह भी है कि तमिलनाडु में धर्म और राजनीति आपस में जुड़ी हैं। रजनीकांत की आध्यात्मिक राजनीति हिंदू वोट एवं तर्कवादी डीएमके वोट, दोनों को आकर्षित कर सकती है। स्टार पावर अकेले नहीं चलती, पार्टी संगठन की मजबूती बहुत जरूरी है। रजनीकांत के पास करिश्मा है पर संगठन और स्वास्थ्य बड़ी बाधा हैं। अगर वे आते भी हैं तो डीएमके-एआईएडीएमके के सियासी आधार और उनकी तुलना में युवा एक्टर विजय की टीवीके के बढ़ते प्रभुत्व को तोड़ना आसान नहीं होगा।

भारत में वामपंथी दलों का राष्ट्रीय वोट शेयर बीते 35 वर्षों से लगातार गिर रहा है। 1989 लोकसभा चुनाव में लेफ्ट को 8.03 फीसदी वोट और 53 सीटें मिली थीं। 2024 चुनाव में यह वोट शेयर घटकर 2.63 प्रतिशत और महज 7 सीटों तक सिमट गया।

क्षेत्रीय राजनीति के ढहते किले और राष्ट्रीय विकल्प का उदय

मंथन
डा. चंद्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

भारतीय राजनीति के समकालीन परिदृश्य में एक बड़ा और युगांतकारी बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। देश के भीतर प्रादेशिक क्षत्रपों और क्षेत्रीय दलों की जो प्रभुता कभी अजेय मानी जाती थी, उसका दायरा अब धीरे-धीरे सिमटने लगा है। आज चाहे कोई भी प्रदेश क्यों न हो, मतदाता अब लोकलुभावन और संकीर्ण क्षेत्रीय विमर्श से बाहर निकलकर राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, सुरक्षा और एक मजबूत केंद्रीय विकल्प की ओर कदम बढ़ा रहा है।

किसी भी राज्य में आने वाले चुनावी परिणाम केवल एक सत्ता परिवर्तन मात्र नहीं हैं, बल्कि वे इस बात के जीवंत प्रमाण हैं कि वैचारिक आधार के बिना केवल प्रादेशिक अस्मिता के भरोसे राजनीति के अभेद्य किले हमेशा के लिए सुरक्षित नहीं रखे जा सकते। पश्चिम बंगाल के हालिया राजनीतिक घटनाक्रम को इसी बदलते राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। जैसे ही वहां चुनावी नतीजे आने शुरू हुए, पंद्रह वर्षों से सत्ता के शिखर पर बैठी ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी का वजन घटने लगा। लगभग यह स्पष्ट हो गया कि ममता बनर्जी का जिसे अभेद्य समझा जाने वाला राजनीतिक किला कहा जाता था, वह ढह चुका है। आज बड़े-बड़े राजनीतिक पंडितों के अनुमान, सर्वेक्षण और विश्लेषण धराशाई हो जाते हैं। बंगाल में भी वही हुआ। आजादी के इतिहास में पहली बार बीजेपी दो सौ का आंकड़ा पार कर बंगाल सत्ता के शीर्ष पर पहुंच गई। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि मतदाता अब क्षेत्रीय दलों के एकाधिकार को चुनौती देने के लिए तैयार हो चुका है। 33 वर्षों के लेफ्ट के शासन को उखाड़ फेंकने वाली ममता बनर्जी आज स्वयं बहुत असहाय सी प्रतीत हो रही हैं। पहले कांग्रेस, फिर लेफ्ट और फिर ममता बनर्जी की टीएमसी उसी पैटर्न पर चलते हुए सत्ता के शिखर तक पहुंची थीं। पंद्रह वर्ष पूर्व ममता बनर्जी ने लेफ्ट के जिस रक्त-रंजित करने वाले कैडर को अपनी जुझारू छवि के बलबूते पर उखाड़ फेंका था, बाद में वही चरित्र वाला राजनीतिक कैडर टीएमसी का सिपहसालार बनकर अपने हित साधने लगा और बंगाल की राजनीति एक ऐसे अभेद्य किले के रूप में स्थापित हो गई, जिसे भेद पाना लगभग असंभव लगने लगा था। संदेशखाली और आर जी कर जैसी वीभत्स घटनाओं के बाद जिस तरह का एक कड़ा संदेश ममता बनर्जी को देना चाहिए था, वो नहीं दे पाईं। पूरे बंगाल में विरोध प्रदर्शन हुए और परिणाम यह हुआ कि मध्यम वर्ग का एक बड़ा तबका असुरक्षा की भावना के साथ उनके खिलाफ खड़ा हो गया। टीएमसी की सत्ता के विरुद्ध एक चिंगारी धीरे-धीरे सुलगने लगी और अंततः उस चिंगारी ने भीषण आग का रूप ले लिया। आज जबकि ममता बनर्जी सत्ता से बाहर हो चुकी हैं, तो बहुत सारे नए प्रश्न उठ खड़े हुए हैं। अपने जुझारूपन के लिए प्रसिद्ध ममता बनर्जी क्या फिर से वापसी कर पाएंगी या वह प्रदेश की कमान किसी अन्य व्यक्ति को सौंप कर केंद्र की राजनीति करेंगी। यह चुनौती सिर्फ उनकी नहीं है, बल्कि देश के उन तमाम क्षेत्रीय दलों की है जो एक ही ढर्रे पर चल रहे हैं। ममता बनर्जी के लिए एक बड़ा प्रश्न पार्टी और परिवार में से किसी एक को चुनना भी है। पार्टी पर होल्ड अभिषेक बनर्जी का है, जिनकी छवि साफ-सुथरी नहीं है। इसके साथ ही कई कद्दावर और साफ छवि के नेता अपनी दावेदारी ठोक सकते हैं जिससे आंतरिक संघर्ष बढ़ेगा। यही क्षेत्रीय दलों की सबसे बड़ी कमजोरी रही है कि वे पारिवारिक नियंत्रण या एक व्यक्ति के दायरे से बाहर नहीं सोच पाते, जिसके कारण राष्ट्रीय लहर के सामने उनका बिखरना तय हो जाता है। अब इस चुनौती से ममता बनर्जी पार्टी को निकाल कर कैसे खड़ा करती हैं, यह देखना होगा। इस सब के अतिरिक्त एक बड़ी और गंभीर चुनौती है ममता बनर्जी और पार्टी पर मुस्लिम तुष्टिकरण का गंभीर आरोप। स्थिति यह है कि आसनसोल के बस्तीन बाजार का दुर्गा मंदिर, जो लेफ्ट के शासनकाल में बंद कर दिया गया था, पंद्रह वर्षों के टीएमसी के शासनकाल में भी नहीं खोला जा सका। पश्चिम बंगाल की राजनीति अब विकास, सुरक्षा, प्रशासन और न्याय व्यवस्था की परिधि से निकलकर धर्म और राष्ट्रीय अस्मिता की मुख्यधारा में आ चुकी है। बदलते राजनीतिक दौर में यदि क्षेत्रीय दलों को अपना अस्तित्व बचाना है, तो उन्हें अपनी एकाधिकार वाली सोच को बदलना होगा। बंगाल में विपक्ष के नाम पर भले ही टीएमसी के सिवाय कोई और विकल्प न हो, लेकिन यदि उन्होंने समय रहते नए सिरे से संघर्ष की जमीन तैयार नहीं की, तो राष्ट्रीय प्रवाह के इस नए युग में इस क्षेत्रीय दल की डगर आगे और भी कठिन होने वाली है।

विस चुनाव के बाद यह लगभग स्पष्ट हो गया है कि ममता बनर्जी का जिसे अभेद्य समझा जाने वाला राजनीतिक किला कहा जाता था, वह ढह चुका है।

उप्र : सपा को सोच में लाना होगा बुनियादी बदलाव

दृष्टिकोण
चरणजीत 'चरण'
स्वतंत्र स्तंभकार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी आज कुछ वैसी ही पटकथा लिखी जा रही है, जैसी कभी अन्य राज्यों के क्षेत्रीय दलों के अवसान के समय देखी गई थी। बिहार में जिस तरह भाजपा ने बिसात बिछाकर लालू प्रसाद यादव के राष्ट्रीय जनता दल को सत्ता के गलियारों से दूर धकेल दिया था, उसी तरह से बंगाल में ममता बनर्जी का अभेद्य समझा जाने वाला राजनीतिक किला ढह गया है। आज का मतदाता खामोशी से सब देखता है और अंतिम समय तक इसकी भनक किसी को नहीं लगने देता कि इस बार ऊंट किस करवट बैठने जा रहा है।

इसी बदलते दौर में अब सबसे बड़ा सवाल उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव के सामने खड़ा है कि क्या वे क्षेत्रीय पार्टियों के इस ढहते सिलसिले के बीच खुद को बचा पाएंगे? यूपी के आगामी चुनावी समर को देखें तो सपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी पुरानी राजनीति के ढर्रे से बाहर निकलने की है। पार्टी दशकों तक मुस्लिम और यादव (एम-वाई) समीकरण के सहारे सत्ता के शिखर तक पहुंचती रही, लेकिन आज के दौर में यह सोशल इंजीनियरिंग पूरी तरह कुंद हो चुकी है। अखिलेश यादव ने इस कमजोरी को भांपते हुए पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों को जोड़ने के लिए 'पीडीए' का नारा जरूर उछाला है, लेकिन केवल कागजों या चुनावी भाषणों में नारा देना एक बात है और उसे जमीन पर उतारना बिल्कुल दूसरी बात। असल संकट यह है कि भाजपा ने पिछले एक दशक में गैर-यादव ओबीसी और गैर-जाटव दलित जातियों के भीतर अपना एक ऐसा मजबूत और वफादार वोट बैंक तैयार कर लिया है, जिसे भेद पाना सपा के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है।

आम जनता के बीच यह धारणा गहरे तक बैठ चुकी है कि सपा के आते ही केवल एक विशेष जाति का दबदबा बढ़ जाता है। जब तक अखिलेश यादव इस धारणा को तोड़कर संगठन और टिकटों में इन अति-पिछड़ी जातियों को वास्तविक हिस्सेदारी नहीं देते, तब तक 'पीडीए' महज एक किताबी जुमला बनकर रह जाएगा। वहीं, सूबे की राजनीति पिछले कुछ वर्षों से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, बहुसंख्यक पहचान और हिंदुत्व के एक ऐसे मजबूत ताने-बाने में बंध चुकी है जिससे सीधे टकराना सपा के लिए हर बार आत्मघाती साबित हुआ है। सपा जब भी इस मोर्चे पर आक्रामक होती है, उस पर तुरंत 'मुस्लिम तुष्टिकरण' का ठप्पा लगा दिया जाता है। उत्तर प्रदेश का एक बड़ा मध्यम वर्ग और बहुसंख्यक आबादी का हिस्सा आज कानून-व्यवस्था, राष्ट्रवाद और धार्मिक गौरव के नाम पर मौजूदा सरकार के साथ मजबूती से खड़ा है।

सपा के सामने धर्मसंकट यह है कि वह बिना अपनी धर्मनिरपेक्ष छवि को खोए, इस बहुसंख्यक समाज के दिल में अपनी जगह कैसे बनाए? एक और गंभीर चुनौती सपा के अंदरूनी सांगठनिक ढांचे की है। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका पन्ना प्रमुख और बूथ स्तर का वह मुस्तैद कैडर है जो सारा साल जमीन पर सक्रिय रहता है। इसके विपरीत, समाजवादी पार्टी आज भी काफी हद तक स्थानीय क्षत्रपों, रसूखदार नेताओं और कुछ खास परिवारों के भरोसे चुनाव लड़ती है।

क्षेत्रीय पार्टियों के बिखरने का एक बड़ा कारण यही रहा है कि वे संस्थागत रूप से मजबूत होने के बजाय किसी एक चेहरे या परिवार पर आश्रित हो जाती हैं। उसे अपनी पुरानी सामंती कार्यशैली को छोड़कर संगठन को बूथ स्तर तक बेहद पेशेवर और मुस्तैद चुनावी मशीनरी में बदलना होगा। गठबंधन की राजनीति के मोर्चे पर भी सपा के अनुभव बहुत सुखद नहीं रहे हैं। जब भी क्षेत्रीय दल किसी बड़े मोर्चे में शामिल होते हैं, तो सीटों के बंटवारे और नेतृत्व के अहंकार को लेकर खींचतान शुरू हो जाती है। सपा के लिए चुनौती यह है कि वह कांग्रेस और अन्य छोटे जातीय दलों को साथ लेकर तो चले, लेकिन अपनी खुद की राजनीतिक जमीन को उनके हाथों में न सौंप दे। अब चुनाव भारी-भरकम बजट, सोशल मीडिया के चौबीस घंटे चलने वाले नैरेटिव और डेटा के बारीक विश्लेषण के जरिए मतदाताओं के मोबाइल स्क्रीन पर लड़े जा रहे हैं।

अंततः, समाजवादी पार्टी समय रहते अपनी रणनीति, सोशल इंजीनियरिंग और सोच में बुनियादी बदलाव नहीं ला पाती, तो क्षेत्रीय दलों के पतन के इस दौर में उसके लिए भी अपनी राजनीतिक जमीन बचा पाना बेहद चुनौतीपूर्ण हो जाएगा।

सूबे की राजनीति बहुसंख्यक पहचान और हिंदुत्व के एक ऐसे मजबूत ताने-बाने में बंध चुकी है जिससे सीधे टकराना सपा के लिए हर बार आत्मघाती साबित हुआ है

संक्षेप

सड़क दुर्घटनाएं रोकने को अमेठी पुलिस का विशेष अभियान

टोल प्लाजा पर चला सघन चेकिंग अभियान, ब्रेथ एनलाइजर मशीन से जांच

अमेठी , पुलिस ने सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए एक विशेष चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी के निर्देश पर यातायात निदेशालय के आदेशों के तहत यह अभियान पूरे जिले में लागू किया गया।अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में तथा क्षेत्राधिकारी यातायात/तिलोई दिनेश कुमार मिश्र के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य नशे की हालत में वाहन चलाने वालों और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करना था। क्षेत्राधिकारी यातायात दिनेश कुमार मिश्र ने मोहनगंज थानाक्षेत्र के शंकरगंज टोल प्लाजा पर वाहनों की जांच की।वहीं, प्रभारी यातायात और प्रभारी निरीक्षक गौरीगंज की संयुक्त टीम ने बाबूगंज टोल प्लाजा पर सघन चेकिंग अभियान चलाया।इसके अतिरिक्त, जिले के सभी थानों ने अपने-अपने क्षेत्रों के प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थानों पर वाहन तथा संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की।इस अभियान के दौरान ट्रक चालकों, भारी वाणिज्यिक वाहनों, प्राइवेट स्लीपर बसों, ईको कैब/वैन और अन्य वाहनों की विशेष रूप से जांच की गई।ब्रेथ एनालाइजर का उपयोग कर वाहन चालकों की शराब पीकर गाड़ी चलाने की जांच की गई।शराब पीकर वाहन चलाने, यातायात नियमों का उल्लंघन करने या संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त पाए गए लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई। पुलिस ने वाहन चालकों को निर्धारित गति सीमा का पालन करने, सीट बेल्ट लगाने, शराब पीकर वाहन न चलाने और सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक भी किया। अमेठी पुलिस का यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार बुजुर्ग की मौत

पुलिस ने जांच शुरू की, रायबरेली की तरफ जा रहे थे

अमेठी, फुरसतगंज थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में साइकिल सवार एक वृद्ध की मौत हो गई। एयरपोर्ट कॉलोनी और राजीव गांधी विमानन विश्वविद्यालय के गेट के सामने अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। वृद्ध की मौके पर ही मृत्यु हो गई ।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि मृतक का शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। शव की हालत देखकर उसकी पहचान करना भी मुश्किल हो रहा है। बताया जा रहा है कि वृद्ध साइकिल से रायबरेली की तरफ जा रहे थे ।सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही पुलिसतभी एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी और चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी नंद हौसला यादव पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है ताकि अज्ञात वाहन का पता लगाया जा सके ।फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। उनकी उम्र करीब 60 से 65 साल बताई जा रही है।

बाँके जिला के पुरैनी में निःशुल्क आँख तथा स्वास्थ्य शिविर में 393 लोगों का हुआ हेल्थ चेकअप

अमन लेखनी समाचार

रूपईडिहा, बहराइच। पडोसी देश नेपाल के बाँके जिला के नेपालगन्ज उपझमहानगरपालिका वार्ड नं. 22 पुरैनी गाँव स्थित आधाभूत बिद्यालय के परिसर में आयोजन किया गया निःशुल्क आँख तथा स्वास्थ्य शिविर में 3 93 लोग गाँव के सर्वसाधारण लोग जेष्ठ २ गते शनिवार को लाभान्वित हुये हैं। वह शिविर में करीब 94 प्रतिशत जनसंख्या मधेशी तथा मुस्लिम समुदाय की बसोबास रही वह गाँव में सर्वसाधारण गाँव वालों ने निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कराया, औषधी, प्रयोगशाला सेवा और स्वास्थ्य परामर्श सेवा से लाभान्वित हुये हैं । स्थानीय आधारभूत विद्यालय परिसर में ग्रामीण आर्थिक सामाजिक उत्थान केन्द्र नेपालगन्ज के आयोजन में सम्पन्न वह शिविर में जनरल स्वास्थ्य की ओ 256 लोग स्वास्थ्य परीक्षण कराया जिस मध्ये महिला 182 लोग और पुरुष 74 लोग रहे थे अइसे ही आँख की ओर 137 लोग आँख परिक्षण कराया जिस मध्ये महिला 85 और 52 लोग पुरुष ने स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श तथा औषधि समेत निःशुल्क प्राप्त किया। ग्रामीण आर्थिक सामाजिक उत्थान केन्द्र नेपालगन्ज के अध्यक्ष लेकप्रसाद प्याकुरेल ने दी जानकारी अनुसार वह शिविर में सब से अधिक उमर 85 वर्ष के जेष्ठ नागरिक भगौती प्रसाद गोडिया का स्वास्थ्य परिक्षण और आँख परिक्षण किया गया था।

अइसे ही वह शिविर में सब से कम उमर 11 महिना के बालक का स्वास्थ्य परिक्षण किया गया था। इसी तरह वह अवसर पर अनुगमन के क्रम में सहभागी हुये नेपालगन्ज उपझमहानगरपालिका स्वास्थ्य महाशाखा के प्रमुख राम बहादुर चन्द ने शिक्षक तथा विद्यार्थियों के लिये आकस्मिक स्वास्थ्य समस्या के लिये तत्काल उपचार क लिये ग्रामीण आर्थिक सामाजिक उत्थान केन्द्र नेपालगन्ज की ओर से श्री आधारभूत विद्यालय पुरैनी को प्राथमिक उपचार बाक्स हस्तान्तरण किया था। वह बाक्स के अन्दर आकस्मिक स्वास्थ्य समस्या के लिये आवश्यक 17 प्रकार की औषधि और जीवन जल उपलब्ध रकया गया ।ग्रामीण आर्थिक सामाजिक उत्थान केन्द्र नेपालगन्ज के प्रमुख कार्यकारी निर्देशक लता शर्मा के अनुसार वह शिविर में सेन्ट्रल सिटी अस्पताल नेपालगन्ज के डा. दिपक जायसवाल, डा. नागेश्वर साह, आँख जाँच की ओर दृष्टि विशेषज्ञ जीतेन्द्र कुमार वर्मा ने जनरल तथा आँख परीक्षण किया था अइसे ही स्वास्थ्य अधिकृत सुनिता शर्मा, बि.एस्सी नर्सिङ स्टाफ सन्ध्या हमाल ठकुरी, स्वास्थ्य सहायक सुनील कनौजिया ने स्वास्थ्य परिक्षण में सहयोग किया था। औषधी वितरण कार्य में ल्याव टेक्नोलोजिष्ट राजेन्द्र कुमार वर्मा, फामेर्सी सहायक माही वैश्य, ल्याव टेक्निसियन सादिक अन्सारी ने सहयोग किया था ।डा. दिपक जायसवाल के अनुसार निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में जनरल की ओर अधिकाँश सेवाग्राहियों में चमडा, एलर्जी, गन्दा पानी के कारण शरीर खजुलाहट, हाथ पैर में दर्द आदि की समस्याएँ दिखाई पडी है ।इसी तरह दृष्टि विशेषज्ञ जीतेन्द्र कुमार वर्मा के अनुसार एलर्जी, भाइरल आँख में सुखापन, भिटामिन ए की कमी, मोतियाबिन्दु, ग्लुकोमा लगायत की समस्याएँ दिखार्य पडी है बताया ।वह निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीण आर्थिक सामाजिक उत्थान केन्द्र नेपालगन्ज के उपाध्यक्ष राकेश शर्मा, सचिव महेन्द्र सेडाई, सहझसचिव निखिल जायसवाल, सदस्य रमेश कुमार श्रेष्ठ, कार्यक्रम संयोजक महेश श्रेष्ठ, दिलु माया वि.क., पूर्णिमा बहुउद्देश्यीय सहकारी संस्था नेपालगन्ज के व्यवस्थापक बामदेव भट्टराई, शतक रक्तदाता तथा पत्रकार पवन जायसवाल लगायत लोगों ने सहयोग किया आयोजक ने जानकारी दी।

लखीमपुर से नानपारा तक मौत का कहर बनकर दौड़ रहे डग्गामार वाहन

बेखौफ दौड़ रहे मैजिक टेंपो व ओवरलोड वाहन

दो महीने में 20 से अधिक लोगों की हो चुकी हाईवे पर मौत

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। अप्रैल और मई के महीनों में घटित दुर्घटनाओं पर एक नजर डालें तो इसमें लगभग दो दर्जन के आसपास लोगों ने अपनी जान गवां दी है वही काफी संख्या में लोग घायल हुए हैं लेकिन तेज रफ्तार व डग्गामार वाहनों की रफ्तार घटने के बजाय बढ़ती जा रही है। उन्हें किसी भी तरह का कोई खौफ या रोक-टोक नहीं है। क्षेत्रीय लोगों में यह भी चर्चा है की कहीं जिम्मेदारों की अनदेखी या सांठगांठ के चक्कर में तो नहीं इन वाहनों को बेखौप दौड़ाया जा रहा है, वही आम राहगीर मजबूरी में इन वाहनों में बैठकर अपनी जिंदगी मौत को दांव पर लगा रहे हैं। यदि क्षेत्रीय प्रशासन और जिम्मेदार इस पर नजर रखें तो डग्गामार तेज रफ्तार व ओवरलोड वाहनों को नियंत्रित कर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। लखीमपुर से सीधे नानपारा तक डग्गामार वाहन जैसे मैजिक आटो टेंपो फुल स्पीड में रोड पर दौड़ते दिखाई दे रहे हैं इनकी संख्या सैकड़ो में है और यह जनपद लखीमपुर से शुरू होकर बहराइच के नानपारा तक आसानी से ठूंस ठूंस कर सवारियों को ढो रहे हैं। यही कारण था कि सोमवार सुबह लखीमपुर के ईसानगर में ट्रक और मैजिक में हुए टक्कर में 10 लोगों की मौत हो गई जिसमें सात बहराइच के शामिल हैं। गौर करें तो यदि प्रशासन ने डग्गामार तेज रफ्तार व ओवरलोड वाहनों पर नियंत्रण किया होता तो शायद 10 लोगों की खुशियां मातम में नहीं बदलती। प्रशासनिक लापरवाही डग्गामार तेज रफ्तार व ओवरलोड के वजह से लगातार लोग काल के गाल में समा रहे हैं फिर भी जिम्मेदारों की नींद खुल नहीं रही है। क्षेत्रीय लोगों ने मांग की है कि डग्गामार तेज रफ्तार ओवरलोड जर्जर वाहनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए और राह चलने वाले मुसाफिरों को सुगम यात्रा प्रदान की जाय। सोमवार को घटित हुई घटना में जब 10 लोगों की मौत हुई तो चारों तरफ चीख और पुकार के अलावा कुछ भी सुनाई नहीं दे रहा था इनकी चीख और पुकार दिल्ली तक गई और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर ट्वीट कर अपनी संवेदना व्यक्त की। सबसे अधिक दुर्घटना वाले क्षेत्रों में नानपारा बाईपास, रायबोझा, गायघाट चौराहा, मटिहा मोड, कुड़वा मोड, परवानी गौढ़ी, खपरा चौकी, नैनिहा मंडी, गूढ़ चौराहा आदि क्षेत्र शामिल है। यहां पर बेतरतीब खड़े टैंपो आटो व मैजिक वाहन दुर्घटना का कारण बन रहे हैं। लेकिन क्षेत्रीय जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारियां से कोसों दूर रहकर दुर्घटनाओं को रोकने में विफल साबित हो रहे हैं। पुलिसकर्मी महज इक्का दुक्का चालान काटकर अपनी जिम्मेदारियां से कागज की पूर्ति कर रहे हैं।

कटका मंदिर पहुंचे डॉ. कासिम, पुजारियों को अंगवस्त्र भेंट कर किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। जरवाल क्षेत्र के जिला पंचायत वार्ड नंबर 59 स्थित प्रसिद्ध प्राचीन कटका मंदिर में मंगलवार को एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र से जुड़े युवा समाजसेवी डॉ. कासिम मंदिर पहुंचे और वहां के पुजारियों सहित अन्य लोगों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। डॉ. कासिम ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, विकास और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और सौहार्द ही सबसे बड़ी ताकत है तथा सभी धर्मों का सम्मान करना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोगों ने डॉ. कासिम के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे युवा समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। उनका यह प्रयास सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे का संदेश देता है। डॉ. कासिम मुस्लिम समुदाय से संबंध रखते हैं, लेकिन वे सभी धर्मों और समुदायों का समान रूप से सम्मान करते हैं। वे समय-समय पर विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेकर

लोगों के बीच एकता और सद्भाव का संदेश देते रहते हैं। स्थानीय लोगों ने कहा कि सच्चा नेतृत्व वही होता है जो सभी वर्गों और समुदायों को साथ लेकर चले। डॉ. कासिम का यह कदम क्षेत्र में सामाजिक सौहार्द की मिसाल बन रहा है।

कांति कुबेर अस्पताल में निशुल्क एचआईवी व सिफलिस जांच शिविर का आयोजन

29 की हुई जांच: टीआई शरणम संस्थान और आईसीटीसी के सहयोग से लगाया गया शिविर

जिले के 18 हाई बर्डन निजी अस्पतालों व क्लीनिकों में 22 मई तक चलेगा अभियान

अमन लेखनी समाचार संतोष मिश्रा/मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) भारत सरकार के 'प्रथम 95' लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को गोंडा रोड स्थित कांति कुबेर अस्पताल में निशुल्क एचआईवी व सिफलिस जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। टीआई शरणम्-संस्थान और आईसीटीसी टीम के सहयोग से आयोजित इस शिविर में 29 लोगों की जांच की गई, राहत की बात यह रही कि सभी की रिपोर्ट सामान्य (नॉन-रिएक्टिव) आई। शिविर में टीआई शरणम् संस्थान के परियोजना प्रबंधक संदीप कुमार सिंह ने लोगों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि समय पर जांच और सही इलाज से संक्रमण को पूरी तरह से नियंत्रित किया जा सकता है। एचआईवी संक्रमित व्यक्ति भी नियमित दवाओं के सेवन और आवश्यक सावधानियों के साथ एक सामान्य व स्वस्थ जीवन जी सकता है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे बिना किसी डर या संकोच के अपनी जांच अवश्य कराएं ।इस दौरान आईसीटीसी पयागपुर की परामर्शदात्री संगीता पाठक ने लाभार्थियों को पूरी गोपनीयता

के साथ व्यक्तिगत परामर्श दिया। उन्होंने संक्रमण के लक्षण, कारण और सुरक्षित व्यवहार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं, आईसीटीसी नानपारा की लैब टेक्नीशियन वैशाली मौर्या ने स्वास्थ्य विभाग के मानकों के अनुरूप पूरी गोपनीयता बरतते हुए मरीजों के रक्त के नमूने लिए। शिविर में आए लोगों को यह भी बताया गया कि सभी सरकारी अस्पतालों और आईसीटीसी केंद्रों पर एचआईवी व सिफलिस की जांच, परामर्श और उपचार की सुविधाएं पूरी तरह निशुल्क हैं।

22 मई तक चलेगा जागरूकता व जांच अभियान

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. एमएल वर्मा ने बताया कि नाको के निदेर्शानुसार जिले में चिन्हित निजी हाई बर्डन हॉस्पिटल एवं सेक्स क्लीनिकों में एचआईवी/सिफलिस जांच व जागरूकता शिविर लगाए जा रहे हैं। जिले में कुल 18 निजी हाई बर्डन अस्पताल चिन्हित किए गए हैं, जिनमें 2 सेक्स क्लीनिक भी शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग ने इसका माइक्रो प्लान तैयार कर लिया है, जिसके तहत 22 मई तक इन सभी संस्थानों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को समय पर जांच, परामर्श और उपचार से जोड़ना है।

दुबई में युवक की संदिग्ध मौत, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

ढाई वर्ष से दुबई में ड्राइवर का काम कर रहा था युवक

निष्पक्ष जांच व शव भारत लाने की उठी मांग

अमन लेखनी समाचार

फखरपुर/कैसरगंज, बहराइच। थाना क्षेत्र कैसरगंज के ग्राम पंचायत कुड़ोनी निवासी एक युवक की दुबई में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने घटना को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है तथा मामले की निष्पक्ष जांच कर शव भारत लाने की मांग की है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार कुड़ोनी निवासी चौधरी पुत्र वारिस अली (लगभग 42 वर्ष) पिछले ढाई वर्षों से दुबई में रहकर ड्राइवर की नौकरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। बताया जा रहा है कि उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जिसकी सूचना वहां मौजूद परिचित लोगों ने परिजनों को दी।

घटना की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक अपने पीछे तीन नाबालिग बच्चों सहित परिवार को छोड़ गए हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के पिता वारिस अली ने बताया कि उनका पुत्र पिछले ढाई वर्षों से एक ही कमरे में रह रहा था और कभी कोई समस्या नहीं हुई। आरोप है कि दो दिन पूर्व मकान मालिक द्वारा उसे दूसरे कमरे में शिफ्ट कराया गया था, जिसके अगले ही दिन उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई ।परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा भारतीय दूतावास के माध्यम से शव को भारत लाने की मांग प्रशासन से की है।

संकट हरने वाले को हनुमान कहते है जैसे उद्धोष से गूंजा नगर पंचायत रुपईडीहा

तीसरे बड़े मंगल पर जगह जगह भंडारे का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। भारत नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र आदर्श नगर पंचायत रुपईडीहा में जगह-जगह आज तीसरे मंगलवार को भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में भक्तगणों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। बताते चलें लगभग पच्चीस हजार आबादी वाली भारत नेपाल सीमा की सबसे बड़ी आदर्श नगर पंचायत कई ग्राम पंचायत मिलाकर बनाई गई पचपकरी पोखरा गोकुलपुर एवं केवलपुर रुपईडीहा में तीसरे मंगलवार को भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। लोग बताते हैं की मलमास का यह मंगलवार बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है। अब यह

मंगलवार लगभग छतीस वर्षों बाद पड़ेगा। इससे लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला। भंडारे में भक्तगणों ने महाबली बजरंगबली की हनुमान चालीसा पाठ से शुरूआत किया। तीसरे बड़े मंगलवार के शुभ अवसर पर रामलीला चौराहा, चकिया रोड, दशहरा बाग, साकेत नगर, दीनदयाल नगर, आदर्श नगर, एचडीएफसी, बैंक के सामने, स्टेशन रोड विजय गुप्ता एवं सम्मानित भक्तों द्वारा लोगों द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया। भंडारे में लहरपुरवा, निबिया, सहजना, केवलपुर, रानी पुरवा, मनरिया, सीतापुरवा, पंडित पुरवा, मोहनापुर, एवं नेपाल से आने जाने वाले यात्रियों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।

कस्बा बाबागंज में ज्येष्ठ माह के तीसरे मंगलवार को शांति मेडिकल एजेंसी के प्रसिद्ध व्यवसायी पंकज अग्रवाल के नेतृत्व में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें कस्बा बाबागंज सहित आसपास के गांवों के सैकड़ो लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

जनगणना: प्रगणक मोहम्मद कौसर ने स्वगणना कार्य में समय से पहले पूरा किया लक्ष्य

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच ।नगर पंचायत रुपईडीहा में जनगणना 2026झ27 के अंतर्गत स्वगणना का कार्य तेजी से चल रहा है। प्रथम चरण में स्वगणना कार्य को 16 मई से 21 मई तक संपन्न करने का समय निर्धारित किया गया था। जनगणना कार्य को सुचारु रूप से पूरा कराने के लिए नगर पंचायत क्षेत्र को कुल 37 ब्लॉकों में विभाजित किया गया है तथा प्रत्येक ब्लॉक में एक-एक प्रगणक की तैनाती की गई है। इस प्रकार कुल 37 प्रगणक जनगणना कार्य में लगे हुए हैं। इसी क्रम में ब्लॉक संख्या 25 के प्रगणक मोहम्मद कौसर ने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी मेहनत, लगन और ईमानदारी के साथ करते हुए स्वगणना का कार्य निर्धारित समय से तीन दिन पूर्व ही पूरा कर लिया। जो कार्य 21मई तक संपन्न होना था, उसे उन्होंने 18 मई को ही शत-प्रतिशत पूरा कर मिसाल पेश की ।विश्वस्त सूत्रों के अनुसार नगर पंचायत के 37 प्रगणकों में मोहम्मद कौसर ऐसे पहले प्रगणक हैं जिन्होंने अपना कार्य समय से पहले पूर्ण किया है। उनकी कार्यशैली और मेहनत की अधिकारियों द्वारा भी सराहना की जा रही है। मोहम्मद कौसर की इस उपलब्धि से यह संदेश मिलता है कि यदि किसी भी कार्य को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ किया जाए तो लक्ष्य समय से पहले भी प्राप्त किया जा सकता है।

रुपईडीहा में प्रगणकों व सुपरवाइजरों को वितरित की गई जनगणना किट

जनगणना अंतर्गत 22 मई से शुरू होगा मकान गणना का कार्य

अमन लेखनी समाचार / मो. कौसर/संतोष मिश्रा

रुपईडीहा, बहराइच। जनगणना 2026झ27 के अंतर्गत मकान गणना का कार्य आगामी 22 मई 2026 से शुरू होकर 20 जून 2026 तक संचालित किया जाएगा। नगर पंचायत रुपईडीहा में जनगणना कार्य को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं ।शासन द्वारा नगर पंचायत रुपईडीहा के अधिशाषी अधिकारी राम बदन यादव को जनगणना कार्य अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है। मंगलवार को

जनगणना कार्य अधिकारी राम बदन यादव द्वारा जनगणना कार्य में लगे सभी 37 प्रगणकों एवं सात सुपरवाइजरों को जनगणना संबंधी किट वितरित की गई ।इस दौरान उन्होंने सभी कर्मचारियों को जनगणना कार्य पूरी जिम्मेदारी, निष्पक्षता एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना देश की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसके आधार पर विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार की जाती है। कार्यक्रम के दौरान कंप्यूटर सहायक शनि श्रीवास्तव सहित सभी प्रगणक एवं सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

ट्रेनों के संचालन की उम्मीद बढ़ी, रेलवे लाइन की फाइनल टेस्टिंग शुरू

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। नेपालगंज रोड रेलवे स्टेशन से बहराइच और गोंडा के लिए ट्रेनों के संचालन का इंतजार अब जल्द खत्म होने की उम्मीद दिखाई देने लगी है। मंगलवार को पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा बहराइच से नेपालगंज रोड तक बनी ब्रॉड गेज रेलवे लाइन की फाइनल टेस्टिंग का कार्य किया गया ।प्राप्त जानकारी के अनुसार बहराइच से एक भारी रेलवे मशीन के माध्यम से रेलवे पटरी के नीचे बिछी गिट्टियों को मजबूत एवं व्यवस्थित करने का कार्य किया जा रहा था। यह मशीन वाइब्रेशन तकनीक के जरिए पटरियों के नीचे की गिट्टियों को मजबूती से सेट करती है, जिससे ट्रायल ट्रेन संचालन के दौरान रेलवे ट्रैक पूरी तरह संतुलित और सुरक्षित हो सके ।जानकारों के मुताबिक यह रेलवे लाइन की अंतिम चरण की टेस्टिंग मानी जा रही है। इसके पूरा होने के बाद बहुत जल्द इस मार्ग पर ट्रेनों का संचालन शुरू होने की संभावना जताई जा रही है ।गौरतलब है कि बहराइच से रुपईडीहा तक ब्रॉड गेज रेलवे लाइन एवं नेपालगंज रोड रेलवे स्टेशन का निर्माण कार्य काफी समय पहले पूरा हो चुका था, लेकिन ट्रेनों का संचालन शुरू न होने से सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों में निराशा थी। अब रेलवे की ओर से तेज हुई गतिविधियों ने लोगों की उम्मीदें फिर जगा दी हैं ।इस खबर के बाद भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र के लोगों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। स्थानीय लोगों का मानना है कि ट्रेन संचालन शुरू होने से यात्रियों को सुविधा मिलने के साथ-साथ व्यापार और आवागमन को भी नई गति मिलेगी।

हत्या के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

प्रतापगढ़ पुलिस ने आम के बाग से किया गिरफ्तार, आम बिनने के विवाद में पीट-पीटकर मारा था

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ, जिले के मानिकपुर थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास के एक मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को धरौली मोड़ स्थित आरा मशीन के पास एक आम के बाग से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, ऊँचागाँव ऐमा अस्भौं निवासी पीड़ित ने मानिकपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित ने बताया कि आम बिनने के विवाद को लेकर कुछ लोगों ने उनके पिता के साथ गाली-गलौज की और लाठी-डंडों से मारपीट की। इस हमले में उनके पिता को गंभीर चोटें आईं और आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने मुख्य आरोपी नोखेलाल (35 वर्ष) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी नोखेलाल ने स्वीकार किया कि 2 मई 2026 को उसने अपने चाचा पर जान से मारने की नीयत से बांस के डंडे से हमला किया था। इस हमले में उसके चाचा गंभीर रूप से घायल हो गए थे। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में इस्तेमाल किया गया बांस का डंडा भी बरामद कर लिया।

तीन अलग अलग घरों में चोरी

30 लाख के जेवर और नकदी लेकर चोर फरार, आसपास के लोगों से पूछताछ

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, सुबह तीन घरों में चोरी की घटना सामने आई। चोर लाखों के जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गए। इस घटना में कुल करीब 30 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है। गांव निवासी देवीप्रसाद पांडे के घर में देर रात चोरों ने सेंध लगाई। पीड़ित के पुत्र सोनू पांडे ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि चोरी की यह वारदात रात करीब 2 से 3 बजे के बीच हुई। चोरों ने घर के पीछे की खिड़की की जाली तोड़ी और छत का दरवाजा खोलकर अंदर प्रवेश किया। घर में घुसने के बाद चोरों ने सोनू पांडे की पत्नी और उनके छोटे भाई मोनू पांडे की पत्नी के सोने के सभी जेवरात चुरा लिए। इसके अतिरिक्त, घर में रखे करीब 46 हजार रुपये नकद भी चोरी हो गए। पीड़ित परिवार के अनुसार, चोरी हुए जेवरात की कुल कीमत

लाखों में है, जिससे कुल नुकसान लगभग 30 लाख रुपये तक पहुंच गया है। सुबह जब परिवार को चोरी का पता चला, तो उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। सूचना मिलने पर फतनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की ।पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। थाना प्रभारी मनीष त्रिपाठी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर प्राप्त हो गई है।

संक्षेप

पुरानी पेंशन बहाली, अटेवा का आंदोलन तेज

बागपत में मंडलीय बैठक में सरकार को चेतावनी

बागपत , पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में अटेवा पेंशन बचाओ मंच की मंडलीय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में मेरठ मंडल के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई ।बैठक में मंडलीय अध्यक्ष इंद्रेश यादव ने कहा कि राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) कर्मचारियों के साथ एक छलावा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कर्मचारियों और शिक्षकों को केवल पुरानी पेंशन व्यवस्था (ओपीएस) ही स्वीकार्य है। यादव ने जोर देकर कहा कि पुरानी पेंशन कर्मचारियों के बुढ़ापे का सहारा है और इसे बहाल कराने के लिए आंदोलन को और तेज किया जाएगा ।बुलंदशहर के जिलाध्यक्ष राजन खान ने घोषणा की कि अटेवा संगठन वर्ष 2027 से पहले एक बड़ा आंदोलन और रैली आयोजित करेगा। उन्होंने सरकार से जल्द पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने की मांग की। खान ने चेतावनी दी कि यदि कर्मचारियों की मांगें पूरी नहीं हुईं तो वे 'वोट की चोट' से जवाब देंगे ।जिला महामंत्री राजेश कुमार सरोज ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि सांसदों और विधायकों को कई प्रकार की पेंशन और सुविधाएं मिलती हैं, जबकि शिक्षकों और कर्मचारियों की पुरानी पेंशन समाप्त कर दी गई है। उन्होंने इसे दोहरी नीति करार देते हुए कहा कि कर्मचारियों के अधिकारों के लिए संघर्ष लगातार जारी रहेगा ।बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने निजीकरण बंद करने, कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने और पुरानी पेंशन व्यवस्था को तत्काल बहाल करने की मांग उठाई। इस दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी और संगठन पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर आंदोलन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

एससी-एसटी एक्ट में वांछित आरोपी गिरफ्तार

बागपत पुलिस ने हरियाणा निवासी अभियुक्त को पकड़ा

बागपत। बागपत की थाना कोतवाली पुलिस ने एससी-एसटी एक्ट के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान हरियाणा के करनाल जिले के गांव पढ़ा निवासी बलवेंद्र सिंह पुत्र शमशेर सिंह के रूप में हुई है ।पुलिस के अनुसार, बलवेंद्र सिंह के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज था और वह काफी समय से फरार चल रहा था। कोतवाली पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास कर रही थी और संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी ।इसी क्रम में पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि वांछित अभियुक्त क्षेत्र में मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को थाने लाया गया, जहां उससे आवश्यक पूछताछ की गई और कानूनी औपचारिकताएं पूरी की गईं। इसके उपरांत, अभियुक्त को संबंधित धाराओं में न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। फरार और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें सक्रिय हैं।

नीट पेपर लीक पर छात्रसंघ का प्रदर्शन

सिर पर सिलेंडर रखकर किया विरोध, धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो के लगाए नारे

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज, नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और हालिया पेपर लीक के विरोध में छात्रसंघ इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रों ने मंगलवार को सड़कों पर उतरकर सरकार और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के खिलाफ तेज नारेबाजी की। छात्रों ने विश्वविद्यालय यूनियन गेट से मार्च निकालकर डीएम कार्यलय की ओर रुख किया और केंद्र सरकार से दोषियों के खिलाफ कड़ा कदम उठाने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान छात्रों के हाथों में कई तख्तियां और पोस्टर थे। जिन पर नौकरी नहीं, पेपर लीक का जाल और धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो जैसे नारे लिखे हुए थे। प्रदर्शनकारी छात्रों और नेताओं ने आरोप लगाए कि पेपर लीक रैकेट में कई नाम राजनीतिक दलों, खासकर भाजपा से जुड़े हैं। एक प्रदर्शनकारी ने दिनेश बिवाल का नाम लेते हुए कहा कि कई संदिग्धों के संबंध सत्ताधारी दल से जुड़े पाए जा रहे हैं। पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष आदिल हमजा ने कहा कि सालभर मेहनत करने वाले लाखों प्रतियोगी छात्रों का भविष्य कुछ पैसों में बेच दिया जा रहा है। उन्होंने कहा यदि कोई प्रतियोगी छात्र अपने माता-पिता के सपनों को पूरा करने के लिए त्याग करता है, तो अंत में पता चलता है कि उसका भविष्य 30-40 लाख रुपये में बिक गया। हालिया पेपर लीक ने होनहार छात्रों की मेहनत पर पानी फेर दिया है और दोषियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। वहीं आज देश में पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस के दाम अपने चरम पर हैं, जिससे आम जनता और छात्रों का बजट पूरी तरह बिगड़ चुका है।

नीट चेयरमैन पर गंभीर आरोप

छात्र नेता संदीप विश्वकर्मा ने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक मामले में जितने भी नाम सामने आ रहे हैं, वे कहीं न कहीं भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हुए हैं। उन्होंने दिनेश बिवाल का नाम लेते हुए कहा कि वह भाजपा के नेता रहे हैं और इस पूरे रैकेट में शामिल अधिकांश लोगों के संबंध सीधे तौर पर सत्ताधारी दल से हैं। डॉ. प्रदीप जोशी एबीवीपी के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं और संघ के लोगों ने उनकी पैरवी की थी।वे इससे पहले जहां भी रहे–चाहे छत्तीसगढ़ पीसीएस हो या मध्य प्रदेश पीसीएस – उनके कार्यकाल में हर जगह पेपर लीक के मामले सामने आए। इसके बावजूद सरकार इस पूरे मामले को दबाने की कोशिश कर रही है। जब भी छात्र अपने रोजगार या हक के लिए आवाज उठाते हैं, तो सरकार लाठियों के दम पर उनके दमन का प्रयास करती है।

8 साल की बच्ची की हत्या

चाचा ने अपनी मां के साथ मिलकर हंसिया से गला रेता, पेट और सीने में 8 वार किए

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , नाबालिग चाचा ने अपनी मां के साथ मिलकर 8 साल की भतीजी की हत्या कर दी। उसका शव भूसे के कमरे में खून से लथपथ पड़ा मिला। आरोपियों ने हंसिया से पहले बच्ची का गला रेता। फिर उसके सीने और पेट में 8 वार किए। पुलिस ने आरोपी बच्ची की चचेरी दादी, दादा समेत 5 लोगों को हिरासत में लिया है। जबकि मुख्य आरोपी नाबालिग चाचा फरार है। आरोपी म हिमें डर था कि कहीं बच्ची किसी को कुछ बता न दें, इसलिए उसे मार डाला ।वहीं बच्ची की दादी ने कहा जैसे मेरी बच्ची तड़पी है, वैसे ही आरोपियों को भी तड़पाया जाए। बच्ची सोमवार शाम करीब 6 बजे घर के बाहर से लापता हो गई थी। रात करीब 12 बजे आरोपी महिला के बड़े बेटे ने शव के बारे में बच्ची के घरवालों को जानकारी दी। घटना औद्योगिक थाना क्षेत्र की है।

जान्हवी, मृतका

घर के बाहर से खेलते समय लापता हुई

व्योहरा गांव के रहने वाले सुनील कुमार चौधरी राजमिस्त्री हैं। परिवार में पत्नी इंदु देवी और 4 बच्चे हैं। बच्चों में जान्हवी (8), मानवी (6), सुमित (5) और शुभ्यांशु (3) हैं। उनकी बड़ी बेटी जान्हवी कक्षा 2 की छात्रा है। सोमवार को वह घर के बाहर खेल रही थी। शाम करीब 6 बजे वह अचानक लापता हो गई। घरवालों ने पूरे गांव में उसे खोजा। मगर उसका पता नहीं चला। रात करीब 12 बजे बच्ची का बड़ा चाचा करन सुनील के घर पहुंचा। उसने बताया कि जान्हवी का शव मेरे घर के अंदर भूसे वाले कमरे में पड़ा है। जान्हवी की मां इंदू और सुनील मौके पर पहुंचे। मगर आरोपियों ने उन्हें घर के अंदर घुसने नहीं दिया। इसके बाद सुनील ने पुलिस को फोन कर दिया।

हत्या की सूचना मिलने पर एसीपी

एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी चोरों से कोसों दूर चांदपुर प्रशासन

शातिर चोरों के हौसले बुलंद नहीं हो पाया खुलासा

अमन लेखनी समाचार /शोभित शुक्ला

फतेहपुर। जनपद के खागा मलवां बिंदकी ललौली बकेवर जहानाबाद तथा चांदपुर थाना क्षेत्र में दिन प्रतिदिन अपराध चरम सीमा पर पहुंच रहा है चोरी छिनैती लूटपाट के दर्जनों मामले प्रशासन के संज्ञान पर आए परंतु खुलासा होना असंभव दिख रहा है बड़ी कशमकश करते हुए हाल ही में जहानाबाद थाना क्षेत्र के गांव तारापुर मजरे ग्राम पंचायत बुढ़वां में हुई चोरी का खुलासा करते हुए थाना प्रभारी ने एक अपराधी को जेल भेजा वही चांदपुर थाना क्षेत्र के बबई गांव में हुई लगभग 30 लाख रुपए की बड़ी चोरी का खुलासा एक सप्ताह गुजर जाने के बाद भी प्रशासन नहीं कर पाया विगत 11 मई की रात को हुई घटना के पश्चात स्थानीय प्रशासन समेत फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची थी जहां मौजूदा हालातो के अनुसार मामला पूर्णतया संदिग्ध नजर आ रहा था जांच नमूने भरने के बाद भी जनपद का प्रशासन हाथ में हाथ रखकर बैठ गया अभी तक पीड़ित को न्याय नहीं मिल पाया यदि इसी तरह क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद रहे तो निश्चित रूप से अपराध पर रोकथाम कर पाना प्रशासन के लिए टेढ़ी खीर बन जाएगा देखना यह है कि इस बड़ी चोरी का खुलासा आखिर प्रशासन कब तक करेगा

सरधना में क्रॉकरी शोरूम में लगी आग

अंदर काम कर रहे थे कर्मचारी, बाहर निकलकर भागे

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , सरधना में क्रॉकरी शोरूम में लगी आग अंदर काम कर रहे थे कर्मचारी, बाहर निकलकर भागे मेरठ के सरधना थानाक्षेत्र के गंजबाजार में अचानक एक क्रॉकरी शोरूम में आग लग गई ।खुशी क्रॉकरी स्टोर के नाम से यहां गंज बाजार स्टोर नाम से बड़ा शोरूम है। अचानक शोरूम में अंदर आग लग गई। जिस वक्त आग लगी उस समय शोरूम में अंदर कर्मचारी काम कर रहे थे। सरधना के गंज बाजार में खुशी क्रॉकरी स्टोर नाम से बड़ा शोरूम है। यहां रविवार को आग लग गई। पहले तो लोगों ने खुद ही आग बुझाने की कोशिश की, फिर दमकल कर्मियों ने आकर आग बुझाई ।इस दौरान बाजार में अफतराफरी का माहौल बना रहा। इससे व्यापारियों और आम लोगों में दहशत फैल गई। फायर ब्रिगेड ने आकर आग बुझाई। आग लगने से लाखों रुपये के नुकसान की आशंका है ।लगभग 11 बजे के आसपास क्रॉकरी शोरूम में आग लगना शुरू हुई। इसको अचानक आग पूरे शोरूम में फैलती चली गई। शोरूम के अंदर काम कर रहे कर्मचारियों ने जैसे ही आग देखी फौरन बाहर की ओर भागे। कुछ ही देर में आग इतनी विकराल हो गई कि उसने पूरे शोरूम को अपनी जद में ले लिया ।सूचना पर थाना पुलिस के साथ ही फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची। आग पर काबू पाने का प्रयास किया। लगभग एक घंटे बाद आग बुझी। आग कैसे लगी इसकी जांच की जा रही हैदुकान मालिक शादाब ने बताया कि उन्होंने करीब छह माह पूर्व ही गंज बाजार के मोहल्ला बेलदरान में क्रॉकरी की दुकान शुरू की थी। रविवार को वह दुकान में काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक आग लग गई। जब तक कुछ समझ पाते, आग ने पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया ।स्थिति बिगड़ती देख उन्होंने मौके से भागकर अपनी जान बचाई और तत्काल कंट्रोल रूम को सूचना दी। सीओ आशुतोष कुमार ने बताया कि आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रथम दृष्ट्या आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट प्रतीत हो रहा है। दमकल विभाग के कर्मचारी मौके पर डटे हुए हैं और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

विद्युत उपकेंद्र में विभाग ने लगाया कैंप उपभोक्ताओं का हुआ निस्तारण

लगभग आधा सैकड़ा से अधिक लोगों ने जमा किया विद्युत बिल

अमन लेखनी समाचार

समरजीत सोनकर

अमौली, फतेहपुर। जनपद के विद्युत उपकेंद्र अमौली परिसर में विभाग द्वारा विद्युत मेगा कैंप आयोजित किया गया अवर अभियंता शुभम शर्मा द्वारा आयोजित मेगा कैंप में विभाग के अन्य अधिकारी जैसे जहानाबाद उपखंड अधिकारी विजय सिंह इत्यादि लोग पहुंचे वहीं सूचना मिलने पर क्षेत्र के सैकड़ो विद्युत उपभोक्ता मेगा कैंप में पहुंचकर अपनी-अपनी समस्याओं से अधिकारी को अवगत कराया विद्युत उपकेंद्र में पहुंचे उपभोक्ता राकेश कुमार छोटेलाल सुदामा वाजिद अली महेश कुमार समेत लगभग आधा सैकड़ा ग्रामीण विद्युत उपभोक्ताओं की अनेकों समस्याओं का निस्तारण उपस्थित अधिकारियों द्वारा किया गया वहीं समस्याओं के निस्तारण के उपरांत देर शाम तक उपभोक्ताओं ने लगभग 116661 रुपए से अधिक के विद्युत बिल धनराशि जमा की इस मौके पर उच्च अधिकारियों के साथ विभाग के अनिल मलिक अरुण मौर्य सर्वेश कुमार जयप्रकाश रवि यादव अभिजीत मंडल दीपक सचान दीपक निषाद महावीर उर्फ बाबू महेंद्र वीरेंद्र समेत विद्युत विभाग की संपूर्ण टीम मौजूद रही

व्यापारी से 6 लाख रुपए लूटे

बाइक सवार तीन बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया, पुलिस ने जांच शुरू की

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद,मुरादनगर थाना क्षेत्र में एकलव्य पब्लिक स्कूल के पास पाइपलाइन रोड पर एक व्यापारी से करीब 6 लाख रुपये और लैपटॉप से भरा बैग लूट लिया गया। यह घटना रविवार को दिनदहाड़े हुई, जब व्यापारी मेरठ जा रहा था। जानकारी के अनुसार, बुलैरो पिकअप मुस्तफाबाद दिल्ली से एल्यूमिनियम की सिल्ली बेचकर और कंडेंसर भरकर परतापुर, मेरठ जा रही थी। पिकअप चालक नितिन यादव (पुत्र पप्पू यादव, निवासी शिवहरी मंदिर कॉलोनी, ट्रांसपोर्ट नगर, मेरठ) और मालिक का बेटा सावेज सैफी (पुत्र सलाउद्दीन, निवासी परतापुर, मेरठ) वाहन में सवार थे ।करीब 1 बजे जब पिकअप नवीपुर पुलिया और एकलव्य स्कूल के बीच पहुंची, तभी पीछे से बाइक पर सवार तीन बदमाश आए। उन्होंने पिकअप को रुकवाया और चालक व सावेज सैफी के साथ मारपीट की। इसके बाद बदमाश पैसों और लैपटॉप से भरा बैग छीनकर चौकी चुंगी नंबर 03 की तरफ फरार हो गए ।घटना की सूचना पीआरवी को मिली, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले की जानकारी ली और आवश्यक विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है। इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

पुलिस ने उखाड़ा धरने पर बैठी महिलाओं का टेंट

मेरठ में सरकार के खिलाफ नारेबाजी की थी, कहा था- हमारी भूल, कमल का फूल

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , शास्त्रीनगर स्थित सेक्टर 2 और सेक्टर 4 में सेटबैक के विरोध में महिलाओं का धरना प्रदर्शन लंबे समय से जारी है। जिसमें आज सीओ सिविल लाइन शुचिता सिंह सेक्टर 2 के धरना स्थल पर पहुंची और महिलाओं द्वारा लगाए गए टेंट को हटवा दिया गया ।सीओ का कहना है कि लगातार बाजार से शिकायत हो रही है कि सड़क पर टेंट लगने के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। जिसके चलते हमने टेंट हटवाया है। सेक्टर दो की महिलाओं ने बीते दिन धरना स्थल पर हनुमान चालीसा का जाप करने के बाद कमल का फल हमारी भूल के नारे भी लगाए थे। वहीं सेक्टर 4 में भी महिलाओं का धरना प्रदर्शन जारी है। लेकिन वहां पुलिस द्वारा कोई टेंट नहीं हटवाया गया है क्योंकि वह सड़क से हटकर अपना प्रदर्शन कर रहे हैं ।सेक्टर 2 के नवनियुक्त अध्यक्ष अर्पित मोगा ने बताया कि को सीओ द्वारा अव्यवस्था का कारण बताते हुए हमारा टेंट हटवाया गया है। इसके बाद भी महिलाओं का धरना अभी जारी है महिलाएं धूप में ही बैठकर अपना विरोध प्रदर्शन कर रही है।

तीन दिन पहले ही बदली थी कार्यकारिणी

सेक्टर 2 में आपसी मतभेद के चलते तीन दिन पहले ही सेक्टर 2 का अध्यक्ष भी बदल गया था उसी के बाद से यह शिकायतों का दौर चला और टेंट हट गया है। वहीं महिलाओं का कहना है कि है आपसी मतभेद का ही नतीजा है कि हमारे टैंट की शिकायत हुई है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद से ही महिलाओं का प्रदर्शन जारी है। इस बीच में सेक्टर दो का धरना दो बार स्थापित भी हुआ। इसके बाद सेक्टर चार में धरने की शुरूआत हुई और सेक्टर दो का धरना भी शुरू हो गया ।उसके बाद अब लगभग 15 दिन से महिलाएं फिर से धरने पर बैठे हैं जिनका आज पुलिस द्वारा टेंट हटा दिया गया।

ग्रेटर नोएडा में एनपीसीएल के खिलाफ किसानों की बैठक

महापंचायत का ऐलान, कई लोगों ने किसान एकता संघ ज्वाइन किया

अमन लेखनी समाचार

जेवर , ग्रेटर नोएडा के नवादा गांव में किसान एकता संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें बिजली विभाग (एनपीसीएल) की कथित तानाशाही और बिजली संबंधी समस्याओं के विरोध में बड़े आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की गई ।यह बैठक राजीव नागर के निवास पर आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता खुशीराम ने की और संचालन जिला अध्यक्ष पप्पे नागर ने किया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान के मार्गदर्शन में किसानों ने विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष वनीष प्रधान ने घोषणा की कि एनपीसीएल के खिलाफ जल्द ही तुगलपुर स्थित उसके कार्यालय पर एक बड़ी महापंचायत आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि संगठन के कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों को महापंचायत में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, और ग्रामीणों से भी समर्थन का आश्वासन मिला है ।बैठक के दौरान संगठन विस्तार पर भी विशेष जोर दिया गया।

हाईकोर्ट के आदेश पर चला बुलडोजर

सड़क पर बना अवैध चबूतरा ध्वस्त किया गया

अमन लेखनी समाचार

ग्रेटर नोएडा , रबूपुरा थाना क्षेत्र के गांव कानपुर में प्रशासन ने अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की। हाईकोर्ट के आदेश के बाद नायब तहसीलदार की मौजूदगी में सड़क पर बने एक अवैध चबूतरे को ध्वस्त कर दिया गया। इस दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी पुलिस बल और पीएसी तैनात रही ।एसडीएम दुर्गेश सिंह ने बताया कि गांव कानपुर में एक ग्रामीण ने अपने मकान के बाहर सड़क पर अवैध रूप से चबूतरे का निर्माण कराया था। इसकी शिकायत आसपास के लोगों ने प्रशासन से की थी। शिकायत मिलने के बाद प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची थी, लेकिन संबंधित ग्रामीण ने इस मामले को हाईकोर्ट में चुनौती दे दी थी। कोर्ट में मामला विचाराधीन होने के कारण प्रशासन की कार्रवाई रोक दी गई थी ।लंबे समय तक चली सुनवाई के बाद, हाईकोर्ट ने हाल ही में अपना फैसला सुनाया। कोर्ट ने निर्माण को अवैध मानते हुए ग्रामीण की याचिका खारिज कर दी। इसके बाद शनिवार को प्रशासन ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर यह कार्रवाई की। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सड़क पर अतिक्रमण किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विदेशी महिला 60 लीटर शराब के साथ गिरफ्तार

सुपरटेक सोसायटी में अवैध बिक्री का भंडाफोड़, नाइजीरियाई नागरिक पर केस

अमन लेखनी समाचार

ग्रेटर नोएडा ,दनकौर कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ कार्रवाई की है। सुपरटेक उपकंट्री सोसायटी से एक विदेशी महिला को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसके पास से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया ।पुलिस के अनुसार, दनकौर कोतवाली पुलिस को सूचना मिली थी कि सुपरटेक उपकंट्री सोसायटी में एक विदेशी महिला कई दिनों से अवैध रूप से शराब बेच रही थी। आरोप है कि महिला एक दुकान की आड़ में शराब तस्करी का धंधा चला रही थी। इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान महिला की दुकान से करीब 60 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पूछताछ में महिला ने स्वीकार किया कि वह लंबे समय से शराब की बिक्री कर रही थी। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान 57 वर्षीय उज्जू, निवासी नाइजीरिया के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

सिद्धपीठ चकाडोरी आश्रम में श्रीराम महायज्ञ व सामूहिक कन्या विवाहोत्सव की तैयारियां पूर्ण

22 मई से 30 मई तक होगा भव्य आयोजन

अमन लेखनी समाचार

कंकरबई (झांसी)। जनआस्था के प्रमुख केंद्र सिद्धपीठ चकाडोरी आश्रम में गौ लोकवासी महंत नरसिंह दास महाराज की पुण्य स्मृति में विगत 22 वर्षों से आयोजित हो रहे नौ दिवसीय श्रीराम महायज्ञ एवं सामूहिक कन्या विवाहोत्सव की तैयारियां लगभग पूर्ण हो चुकी हैं। आश्रम के महंत राकेशदास जी महाराज ने बताया कि 22 मई शुक्रवार को दोपहर 2 बजे विशाल कलश यात्रा के साथ श्रीराम महायज्ञ एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का शुभारंभ होगा। भागवत कथा में परीक्षित अंजूलता हरिशंकर तिवारी एवं विकास तिवारी रहेंगे। वहीं वृंदावन धाम के भागवताचार्य रमाकांत व्यास महाराज संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराएंगे। महायज्ञ में अयोध्या धाम से पधार रहे यज्ञाचार्य पं. धनंजय दास जी महाराज एवं अन्य आचार्यों द्वारा समस्त याज्ञिक अनुष्ठान संपन्न कराए जाएंगे। आयोजन के दौरान अखंड रामायण पाठ, राम नाम संकीर्तन, चारों वेदों का पाठ तथा रात्रि में जालौन के कलाकारों द्वारा रामलीला का मंचन भी किया जाएगा। साथ ही सामूहिक कन्या विवाहोत्सव का आयोजन भी आकर्षण का केंद्र रहेगा। यज्ञ समिति द्वारा आने वाले दुकानदारों के लिए बिजली, पानी एवं भोजन की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। दूरदराज से आने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने हेतु विशेष कुटियों का निर्माण भी कराया गया है। आयोजन समिति ने लगभग सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली हैं। 30 मई को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विकास तिवारी सिया, रमाकांत मिश्रा, अरविंद हाटी वाले, विशाल द्विवेदी, कपिल सौनकिया, घनाराम मिश्रा, रुद्रप्रकाश तिवारी, विष्णु महाराज, अमित दीक्षित, प्रेमनारायण खरे, दिनेश अग्रवाल सहित अनेक श्रद्धालु एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में महंत राकेशदास जी महाराज ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

व्यापारी सुरक्षा सुदृढ़ीकरण को लेकर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में व्यापारियों के साथ गोष्ठी सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। कलेक्ट्रेट सभागार, में जिलाधिकारी चर्चित गैंड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा की अध्यक्षता में व्यापारी सुरक्षा सुदृढ़ीकरण के संबंध में जनपद के प्रमुख व्यापारियों, सरार्फा व्यापारियों, उद्यमियों, पेट्रोल पम्प स्वामियों एवं बैंक मित्रों के साथ गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठानों एवं संस्थानों पर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से स्थापित करने की अपील की गई, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। साथ ही व्यापारियों एवं अन्य प्रतिभागियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए उनके त्वरित एवं प्रभावी निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

डायरिया नियंत्रण व रोकथाम के बारे में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को किया गया प्रशिक्षित

राजगढ़ विकास खंड की 211 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दिए गए जरूरी टिप्स

पीएसआई इंडिया व केनव्यू के सहयोग से आयोजित किया गया कार्यक्रम

अमन लेखनी समाचार

मिर्जापुर,20 मई। जनपद के राजगढ़ विकास खंड क्षेत्र की करीब 211 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को डायरिया नियंत्रण व रोकथाम में बड़ी भूमिका निभाने के लिए विशेष तौर पर प्रशिक्षित किया गया। दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से चार बैच में इन आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को डायरिया की शीघ्र पहचान, बचाव के जरूरी कदम आदि के बारे में बड़े ही सरल और रोचक अंदाज में बताया गया। विकास खंड सभागार में प्रशिक्षण के आखिरी सत्र में मंगलवार को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का स्पष्ट कहना था कि समुदाय में शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने को वह खास तौर पर प्राथमिकता देंगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल-इंडिया (पीएसआई-इंडिया) और केनव्यू (डएटश्वए) के सहयोग से डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम के तहत किया गया। डायरिया के प्रति अभिमुखीकरण के साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को नियमित रूप से सही तरीके से हाथ धोने की महत्ता भी समझाई गयी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ के अधीक्षक डॉ. पवन कुमार कश्यप ने कहा कि शून्य से पांच साल तक के बच्चों की कुल मौत का एक प्रमुख कारण डायरिया भी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस पर नियंत्रण के लिए स्टॉप डायरिया कैम्पेन (डायरिया रोको अभियान) अगले महीने से शुरू होगा, जिसे डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम से और बल मिलेगा। डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम के बारे में पीएसआई-इंडिया के विष्णु प्रकाश मिश्रा विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में समुदाय को डायरिया से बचाव के लिए जरूरी साफ-सफाई रखने, हाथ धुलने का सही तरीका, स्वच्छ जल, ताजा पौष्टिक भोजन और स्वच्छ वातावरण में ही रहने के बारे में जागरूक बना सकती हैं। डायरिया के प्रमुख लक्षणों के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी, ताकि दस्त नियंत्रण कार्यक्रम में उनकी सक्रिय भागीदारी और समझ सुनिश्चित हो सके। डायरिया से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के लिए उठाये जाने वाले कदमों के बारे में भी बताया गया। अधीक्षक डॉ. पवन कश्यप ने डायरिया रोकथाम एवं उपचार के बारे में प्रशिक्षण देते हुए, व्यावहारिक प्रशिक्षण और वास्तविक समय के केस डिस्कशन के माध्यम से दस्त की रोकथाम, शीघ्र निदान और प्रभावी प्रबंधन में सेवा प्रदाताओं के जरूरी कौशल के बारे में बताया। ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन (ओआरएस), जिंक सप्लीमेंट और टीकाकरण को बढ़ावा देने पर जोर दिया साथ ही दस्त प्रबंधन में प्रमुख निवारक उपायों के बारे में बताया।

पराली की आग से बिजली घर तक पहुंची लपटें, टाउन फीडर की केबल क्षतिग्रस्त

अमन लेखनी समाचार

गरौठा, झांसी। गरौठा बिजली घर के पीछे खेतों में किसानों द्वारा पराली जलाने के दौरान लगी आग तेज हवा के चलते अचानक विकराल हो गई। देखते ही देखते आग की लपटें बिजली घर की बाउंड्री वॉल तक पहुंच गईं, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की चपेट में आने से गरौठा टाउन फीडर की स्पेयर केबल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मामले की जानकारी मिलते ही अवर अभियंता रामभवन सिंह चौहान ने फायर स्टेशन गरौठा एवं कोतवाली पुलिस को सूचना दी। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम और कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सुरजीत सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। काफी देर की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। समय रहते आग बुझ जाने से बिजली घर में बड़ा हादसा टल गया।

रामपुर बरकोनिया पुलिस द्वारा पॉक्सो एक्ट के अभियोग में वांछित 01 अभियुक्त गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी सदर राज सोनकर के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक रामपुर बरकोनिया के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस द्वारा मु0अ0सं0-46/2026 धारा 74, 137(2) बीएनएस व 9(ड)/10 पॉक्सो एक्ट से संबंधित अभियुक्त सुखदेव उर्फ रविन्दर पुत्र राममूरत चेरो निवासी ग्राम पलपल थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र को दिनांक 17.05.2026 को समय करीब 07:30 बजे मुखबिर खास की सूचना पर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय भेजा गया।

ओबरा पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार, 01 किग्रा 150 ग्राम अवैध गांजा बरामद

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक ओबरा के नेतृत्व में थाना ओबरा पुलिस टीम द्वारा दिनांक 17.05.2026 को समय 22:36 बजे सेक्टर-04 पहाड़ी तिराहा के पास से अभियुक्त धीरज कुमार वर्मा पुत्र कपूर चन्द वर्मा निवासी चूड़ी गली, मलीन बस्ती, ओबरा थाना ओबरा जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 29 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से 01 किग्रा 150 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं का संवेदनशील श्रवण, त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण के निर्देश

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं।

नगर पालिका परिषद एवं विंध्य फाउंडेशन ट्रस्ट के तत्वावधान में लगाया गया स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

शिविर के अंतर्गत आठ रक्तदाताओ ने रक्तदान कर दिया जीवंत संदेश

अमन लेखनी समाचार

मीरजापुर, नगर पालिका परिषद् मीरजापुर एवं विंध्य फाउंडेशन ट्रस्ट के तत्वावधान में लालडिग्गी स्थित नगर पालिका कार्यालय परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर पालिकाध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी के पहल पर आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर के अंतर्गत 16 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीयन कराया और स्वास्थ्य परीक्षण के पश्चात 8 रक्तदाताओ ने रक्तदान कर समाज को जीवंत संदेश दिया। रक्तदान करने वालों में केशव लुंडिया, आनन्द कसेरा, रीतेश कुमार गुप्ता, श्रीकिशन कसेरा, प्रथम कसेरा, सतीश कुमार, कृष्णा, आशीष कुमार सम्मिलित रहें। विशेष बात ये रही कि कोतवाली वार्ड के सभासद पति श्रीकिशन कसेरा ने अपने पुत्र प्रथम कसेरा के साथ रक्तदान किया। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका के तरफ से सभासद अलंकार जायसवाल, सभासद बाबा यादव सहित नगर पालिका के कर्मचारी उपस्थित रहे। तो विंध्य फाउंडेशन ट्रस्ट के तरफ से अध्यक्ष कृष्णानंद हैहयवंशी, उपाध्यक्ष शिव कुमार शुक्ल, सचिव अभिषेक साहू, मीडिया प्रभारी विनय कुमार, स्वतंत्र प्रभार देख रहें मोहित सिंह और मेडिकल कॉलेज के ब्लड सेंटर की तरफ से डॉ विनोद कन्नौजिया, काउंसलर माला सिंह, जनसंपर्क अधिकारी, रामकुमार गुप्ता सहित अमित पटेल, प्रवेश राजभर, प्रदीप, मनीष, विनोद इत्यादि उपस्थित रहें।

नगर विधायक पं. रत्नाकर मिश्र ने किया ह्यपार्थ इलेक्ट्रिकल एंड क्रॉकरी स्टोर्सह्व का उद्घाटन

अमन लेखनी समाचार

मीरजापुर विंध्याचल। नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पं. रत्नाकर मिश्र ने आज वासलीगंज में श्री मुन्नू लाल गुप्ता के नवीन प्रतिष्ठान ह्यपार्थ इलेक्ट्रिकल एंड क्रॉकरी स्टोर्सह्व का फीता काटकर शुभ उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधायक ने प्रतिष्ठान के उज्ज्वल भविष्य और उत्तरोत्तर प्रगति की मंगलकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आशा है यह नया प्रतिष्ठान क्षेत्रवासियों को बेहतर सेवाएं और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराएगा। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान श्री राजेश अग्रवाल, श्री विजय गुप्ता सहित क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक और व्यापारी मौजूद रहे। मुन्नू लाल गुप्ता ने सभी अतिथियों का आभार जताया। विधायक ने कहा कि क्षेत्र में नए व्यवसाय खुलने से रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है।

रक्तदान और सेवा भाव से मनाया गया श्री साईं परिवार सेवा संगठन अध्यक्ष का जन्मदिन

अमन लेखनी समाचार

मिजार्पुर। श्री साई परिवार सेवा संगठन के अध्यक्ष शुभम् कुमार गुप्ता का जन्मदिन 18 मई को पारंपरिक जश्न की जगह समाजसेवा के अनोखे अंदाज में मनाया गया। संगठन के सदस्यों ने इस अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया तथा दो पहाड़ियों पर मानव सेवा और जीव सेवा का पुनीत कार्य संपन्न किया ।करनपुर पहाड़ी पर जरूरतमंदों की मदद कर 'मानव सेवा' का कार्यक्रम आयोजित किया गया, वहीं अष्टभुजा पहाड़ी पर बेजुबान जीव-जंतुओं को भोजन व पानी उपलब्ध कराकर 'जीव सेवा' का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया गया ।रक्तदान शिविर में उमड़ी युवाओं की भीड़ अध्यक्ष के जन्मदिन के उपलक्ष्य में लगाए गए रक्तदान शिविर में संगठन के सदस्यों व स्थानीय युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर का सुचारू संचालन अमित गुप्ता ने किया। ब्लड बैंक के जनसंपर्क अधिकारी राम कुमार गुप्ता और लाइन्स क्लब आर्या की अध्यक्ष बंदना राय ने विशेष रूप से शिरकत की। दोनों अतिथियों ने रक्तदान करने वाले सभी स्वयंसेवियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया ।समापन अवसर पर शुभम्कुमार गुप्ता ने सभी रक्तदाताओं, अतिथियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ह्लरक्तदान एक महादान है। आपका एक रक्तदान किसी जरूरतमंद के लिए जीवनदान साबित हो सकता है। समाज के हर स्वस्थ व्यक्ति को इस पुनीत कार्य में भाग लेना चाहिए ।ह्वकार्यक्रम में बंदना राय, अमित गुप्ता, ज्योति गुप्ता, जितेंद्र बिंद, उत्कर्ष गुप्ता, मिशिता, प्रिया सोनी, संतोष पटेल सहित श्री साईं परिवार सेवा संगठन के कई पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे ।संगठन ने इस बार जन्मदिन को सेवा और समर्पण का प्रतीक बनाकर समाज को एक सकारात्मक संदेश दिया है।

अघोषित विद्युत कटौती से बेहंदर क्षेत्र के लोग परेशान, विभाग के खिलाफ नाराजगी

अमन लेखनी समाचार

कासिमपुर। बेहंदर क्षेत्र में लगातार हो रही अघोषित विद्युत कटौती से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। दिन और रात बिना किसी पूर्व सूचना के बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित होने से लोगों में भारी नाराजगी व्याप्त है। भीषण गर्मी के बीच घंटों तक बिजली गुल रहने से क्षेत्रवासियों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद विद्युत विभाग समस्या के समाधान की ओर ध्यान नहीं दे रहा है। ग्रामीणों और कस्बावासियों का कहना है कि बिजली कटौती को लेकर विभाग की ओर से हर बार अलग-अलग बहाने बनाए जाते हैं। कभी ओवरलोड का हवाला दिया जाता है तो कभी इमरजेंसी रोस्टिंग बताकर आपूर्ति बंद कर दी जाती है। वहीं तेज हवा चलने पर भी लंबे समय तक बिजली काटे जाने से लोगों में रोष है। लोगों का कहना है कि हल्की हवा चलते ही बिजली आपूर्ति बाधित कर दी जाती है और मौसम सामान्य होने के बाद भी घंटों तक बिजली बहाल नहीं की जाती। इससे घरों में पेयजल संकट, बच्चों की पढ़ाई और व्यापारिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। रात के समय बिजली कटौती से बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में आदित्य सिंह, हर्ष चौरसिया, अभय सिंह, शुभम सैनी, इम्तियाज, अवधेश कुमार सिंह, संतोष कुमार, इलियास, शुभम श्रीवास्तव समेत कई लोगों ने विभाग से जल्द समाधान की मांग की है। वहीं जेई सुरेश कुमार यादव ने बताया कि समस्या के समाधान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और जल्द ही विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु किया जाएगा।

नीति आयोग की रैंकिंग में सोनभद्र बना देश का नंबर-1 आकांक्षी जिला

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जनपद ने विकास की नई इबारत लिखते हुए पूरे देश में अपनी अलग पहचान स्थापित की है। नीति आयोग द्वारा आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत जारी दिसंबर 2025 की नवीनतम प्रगति रिपोर्ट में सोनभद्र ने देश के 112 आकांक्षी जिलों को पीछे छोड़ते हुए समग्र विकास (व्अमतंसस च्मतवितउंदबम) में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि न केवल जनपद बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार सोनभद्र का ओवरऑल स्कोर नवंबर 2025 के 57.3603 से बढ़कर दिसंबर 2025 में 65.0066 पहुंच गया। जिले ने 7.646 का सर्वाधिक डेल्टा स्कोर अर्जित किया, जो देश के सभी आकांक्षी जिलों में सर्वोच्च रहा। यही ऐतिहासिक प्रदर्शन सोनभद्र को राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान तक पहुंचाने का आधार बना। जनपद ने विशेष रूप से कृषि एवं जल संसाधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज करते हुए देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। कृषि क्षेत्र में जिले का स्कोर 37.9523 से बढ़कर 42.7207 हो गया तथा 4.768 अंकों का प्रभावी सुधार दर्ज किया गया। किसानों के हित में संचालित योजनाओं, जल संरक्षण, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास कार्यों का सकारात्मक प्रभाव इस उपलब्धि में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में भी सोनभद्र ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश में छठी रैंक हासिल की। जिले का स्वास्थ्य स्कोर 68.2721 से बढ़कर 86.4586 पहुंच गया, जो 18.187 अंकों की बड़ी वृद्धि को दशार्ता है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, पोषण अभियानों के प्रभावी संचालन तथा ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार का यह परिणाम माना जा रहा है। हालांकि शिक्षा, वित्तीय समावेशन एवं आधारभूत संरचना जैसे कुछ क्षेत्रों में अभी और बेहतर कार्य करने की आवश्यकता है, लेकिन समग्र रूप से सोनभद्र ने यह सिद्ध कर दिया है कि मजबूत प्रशासनिक इच्छाशक्ति, सतत मॉनिटरिंग एवं जनसहभागिता के माध्यम से किसी भी जनपद को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता सोनभद्र की जनता, अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों एवं शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। हमारा प्रयास रहा है कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ पहुंचे। नीति आयोग की यह रैंकिंग जनपद के निरंतर विकास कार्यों की राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता है। आने वाले समय में शिक्षा, आधारभूत संरचना एवं वित्तीय समावेशन जैसे क्षेत्रों में और अधिक मजबूती के साथ कार्य कर सोनभद्र को विकास के आदर्श मॉडल जनपद के रूप में स्थापित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने इस उपलब्धि के लिए समस्त जनपदवासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान पूरे सोनभद्र का सम्मान है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनपद आने वाले समय में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा तथा देश के अन्य जिलों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।

डाला में अल्ट्राटेक फैक्ट्री के प्रदूषण से जनता परेशान, नगर पंचायत अध्यक्षा ने दी आंदोलन की चेतावनी

अमन लेखनी समाचार

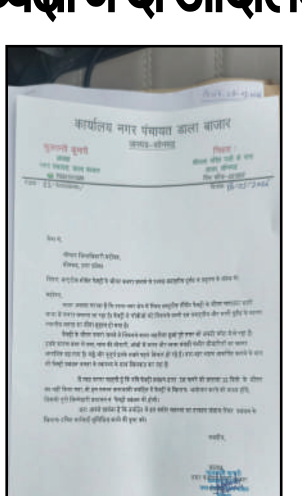

डाला सोनभद्र। अल्ट्राटेक की डाला स्थित फैक्ट्री में कथित रूप से कचरा जलाए जाने से उठ रही दुर्गंध और प्रदूषण को लेकर नगरवासियों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। इस मामले को लेकर डाला नगर पंचायत अध्यक्षा फूलवंती कुमारी ने सोमवार को जिलाधिकारी सोनभद्र को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। अध्यक्षा ने अपने ज्ञापन में आरोप लगाया कि फैक्ट्री परिसर के भीतर लगातार भारी मात्रा में कचरा जलाया जा रहा है, जिससे निकलने वाला जहरीला धुआं और असहनीय दुर्गंध पूरे डाला नगर क्षेत्र को प्रभावित कर रही है। उन्होंने कहा कि फैक्ट्री से चौबीसों घंटे निकलने वाली बदबू के कारण स्थानीय लोगों का घरों में रहना तक मुश्किल हो गया है। ज्ञापन के अनुसार, कचरा जलने से वातावरण में फैल रहे धुएं से लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। नगर क्षेत्र में दमा, सांस संबंधी बीमारियां, आंखों में जलन तथा त्वचा रोगों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। खासकर बच्चे और बुजुर्ग इस प्रदूषण से सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। नगर पंचायत अध्यक्षा ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत और ध्यान आकर्षित कराने के बावजूद फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने कहा कि उद्योग प्रबंधन जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अगले 15 दिनों के भीतर फैक्ट्री परिसर में कचरा जलाना बंद नहीं कराया गया, तो नगरवासी जनहित में व्यापक आंदोलन करने को बाध्य होंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आंदोलन की स्थिति उत्पन्न होने पर इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और फैक्ट्री प्रबंधन की होगी। नगर पंचायत अध्यक्षा ने जिलाधिकारी से मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए जांच कराने तथा फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। वहीं इस मुद्दे को लेकर नगरवासियों में भी आक्रोश बढ़ता दिखाई दे रहा है।

गुरुद्वारे में रमनित कौर को किया सम्मानित

वाणिज्य संकाय में प्रथम अंक लाने पर रमनीत कौर को गुरूद्वारे मे किया गया सम्मानीत।

अमन लेखनी समाचार

अनपरा सोनभद्र। अनपरा नगर में पिछले सप्ताह मे सीबीएसई के 12वीं के नतीजे की घोषणा होने के बाद अनपरा तापीय परियोजना आवासीय परिसर में स्थित संट फ्रांसिस स्कूल की छात्रा रमनीत कौर विरदी ने वाणिज्य संकाय में विद्यालय में 96.4 प्रतिशत अंक के साथ पहला स्थान लाकर विद्यालय में टॉप किया। विद्यालय की तरफ से प्रधानाचार्य द्वारा सभी टॉपर बच्चों को बधाई दिया गया। रमनीत कौर के पिता प्रीतपाल सिंह विरदी और मॉ गुरमित कौर विरदी को भी विद्यालय कि तरफ से बधाई दि गई। रवीवार को अनपरा नगर के रेणुसागर में मौजूद गुरूद्वारे मे सिख धर्म से जूड़े लोगो ने रमनीत कौर विरदी के सम्मान एवं बधाई के लिए कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसमे गुरूद्वारे के सचिव दारा सिंह के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम के दौरान रमनीत कौर विरदी के पिता प्रीतपाल सिंह विरदी और मॉ गुरमित कौर विरदी मौजूद रही विक्रम सिंह द्वारा रमनीत कौर को अंग वस्त्र पहना कर वह उपहार भेंट कर बधाई दिया गया इस मौके पर केवल सिंह, इंदरजीत सिंह, मलकीत सिंह अन्य गुरूद्वारे से जूड़े सभी लोगो ने रमनीत कौर के उज्जवल भविष्य की कामना एवं बधाई दी ।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

आज के दौर में महिलाएं हर क्षेत्र में अपने आपको साबित कर रही हैं, अपनी पहचान बना रही हैं। लेकिन अभी भी कुछ ऐसे डर हैं, जो उन्हें आगे बढ़ने से रोकते हैं, उनके मानसिक स्वास्थ्य, करियर और व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करते हैं। यह एक चिंताजनक स्थिति है। महिलाएं किसी प्रकार के डर को कैसे काबू में रखें, इनसे कैसे उबरें, जानिए।

डर के आगे जीत है
महिलाएं अपने डर पर कैसे पाएं काबू

कवर स्टोरी

ललिता गोयल

एक महिला के रूप में हम जानते और समझते हैं कि तब कैसा महसूस होता है, जब आपकी हथेलियां पसीने से भीग जाती हैं, आपका दिल तेजी से धड़कने लगता है, एक डर महसूस करती हैं और तब आप बस यही सोचती हैं कि इससे कैसे बचा जाए? वहां से भाग लिया जाए या रुक कर स्थिति से लड़ा जाए? कुछ ऐसे डर जो महिलाओं को पीछे हटने और खुद को एक दायरे में सीमित कर लेने के लिए मजबूर करते हैं, इनको समझना जरूरी है।

अपने डर को पहचानें

महिलाएं प्रायः जिन डरों से घिरती हैं, इनसे छुटकारा पाने के तरीकों को जानने से पहले यह जानना-पहचानना जरूरी है कि कौन से डर हैं, जिनका अधिकांश महिलाएं अपने जीवन में सामना करती हैं।

अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का डर: यह वह स्थिति होती है, जब महिलाएं कुछ नया करने से डरती हैं, क्योंकि उन्हें असफलता का भय होता है, उन्हें लगता है कि अगर वे असफल हो गईं तो घर-परिवार के सदस्य उनका मजाक बनाएंगे। इसलिए वे कंफर्ट जोन में बनी रहती हैं, अपने विकास के रास्ते बंद कर लेती हैं।

अस्वीकृति का भय: यह वह स्थिति होती है, जब महिलाओं को लगता है कि वे जो करना चाहती हैं, उसके लिए उन्हें परिवार से स्वीकृति नहीं मिलेगी। इस 'नहीं' को सुनने के डर से वे कुछ भी करने से पीछे हट जाती हैं। महिलाएं सफलता पाने की तुलना में अस्वीकृति की संभावना को लेकर अधिक चिंतित रहती हैं।

गलत साबित होने का डर: यह वह स्थिति है, जब आत्मविश्वास की कमी के कारण महिलाएं खुद को अनभिज्ञ या अज्ञानी नहीं दिखाना चाहतीं और वे शिक्षित, अनुभवी होने के बावजूद खुद पर भरोसा करने से इनकार कर देती हैं, अपनी राय व्यक्त करने या अपने ज्ञान और अनुभव को शेयर करने से इनकार कर देती हैं।

उपहास उड़ाए जाने का डर: यह वह स्थिति है, जब आप इस बात से डरती हैं कि लोग आपके बारे में क्या कहेंगे, उपहास उड़ाएंगे, मूर्ख कहेंगे, आपको समाज द्वारा जज किए जाने का डर होता है। यह डर महिलाओं को अपनी बात खुलकर रखने से रोकता है। भले ही वे जानती हैं कि वे सही हैं।

शारीरिक इमेज का डर: कुछ महिलाएं अपनी शारीरिक बनावट को लेकर भी असुरक्षित महसूस करती हैं। कुछ को हीनता का बोध भी हो सकता है। उनके लिए डर का सामना करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

डर से कैसे उबरें

सवाल यह है महिलाएं किसी प्रकार के डर से कैसे उबरें? यहां बता रहे हैं ऐसे कुछ आसान तरीके, जो रोजमर्रा के डर और घबराहट से लड़ने में मदद करेंगे।

सपोर्ट सिस्टम बनाएं: ऐसे दोस्तों या परिवार के सदस्यों का नेटवर्क रखें, जिन पर आप भरोसा कर सकें। इससे डर कम होता है। अपने डर के बारे में किसी दोस्त, परिवार वाले या हेल्पलाइन से बात करें। अपनी बात शेयर करने से मन का बोझ हल्का होता है और डर छोटा लगने लगता है।

खुद से पूछें: खुद से पूछिए सबसे बुरा क्या हो सकता है? जब आप सबसे बुरी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हो जाती हैं, तो डर छोटा लगने लगता है।

आत्म-विश्वास और मानसिक मजबूती बढ़ाएं: जब भी डर लगे, अपनी पिछली सफलताओं और उपलब्धियों को याद करें। इससे आपको याद आएगा कि आप चुनौतियों से निपटने में सक्षम हैं।

थोड़ा ब्रेक लें: जब आप डरी हुए होती हैं, तो साफ-साफ सोचना मुश्किल होता है। ऐसे में खुद को शांत करने के लिए थोड़ा समय निकालें। 15 मिनट के लिए उस जगह से हट जाएं, कहीं टहलने चली जाएं, चाय पिएं या कोई मजेदार वीडियो देखें।

गहरी सांस से दूर होगी घबराहट: अगर डर की वजह से अचानक आपके दिल की धड़कन तेज हो जाए या आपकी हथेलियों में पसीना आने लगे, तो एक पल वहीं रुकें और उस अहसास को महसूस करें। पेट पर हाथ रखें और गहरी सांस लें। इससे आपका दिमाग घबराहट को झेलने को तैयार हो जाएगा।

कंफर्ट जोन से बाहर निकलें: जिस चीज से डर लगता है, उसका थोड़ा-थोड़ा सामना करें। अगर बोलने से डर लगता है, तो छोटे ग्रुप्स में बोलना शुरू करें। यह एक्सपोजर थैरेपी की तरह काम करता है।

डर का सामना करें: डर से दूर भागने से वह और बढ़ता है। धीरे-धीरे उस चीज के संपर्क में आएं, जिससे आप डरती हैं। जैसे अगर आपको लिफ्ट या एस्केलेटर में जाने से डर लगता है, तो बार-बार इसे यूज करें। धीरे-धीरे आपका डर कम होने लगेगा।

शारीरिक लक्षणों को समझें: घबराहट में तेज धड़कन या सांस फूलना सामान्य है। यह शरीर का खुद को तैयार करने का एक तरीका है। यह समझें कि ये लक्षण खतरनाक नहीं हैं और थोड़ी देर में ठीक हो जाएंगे।

नेगेटिव सोच से दूरी: अपने आपसे तर्कपूर्ण सवाल पूछें। जैसे क्या वाकई लिफ्ट गिर जाएगी? या क्या सच में यहां कोई खतरा है? हकीकत को जानकर आप डर को कम कर सकती हैं।

परफेक्ट बनने की कोशिश न करें: यह सोचना छोड़ दें कि आपको हमेशा शांत रहना चाहिए या जिंदगी हमेशा अच्छी होनी चाहिए। जिंदगी थोड़ी उथल-पुथल भरी हो सकती है और यह बिल्कुल सामान्य है। खुद के साथ ज्यादा सख्ती न बरतें। एक अच्छी जगह की कल्पना करें। अपनी आंखें बंद करें और किसी ऐसी जगह या याद के बारे में सोचें, जहां आप सुरक्षित और खुश महसूस करती हैं, जैसे कोई समुद्र तट या बचपन की कोई खुशनुमा याद। लोग क्या कहेंगे की परवाह न करें। अपने विचारों को स्पष्टता से व्यक्त करें और निर्णय लेने में निडर बनें। लोग क्या कहेंगे की परवाह किए बिना अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें और छोटे-छोटे कदम उठाकर नए प्रयोग करें।

अपनी सेहत का ख्याल रखें: अच्छा खाना खाएं और एक्टिव रहें। शराब या नशीली चीजों से दूर रहें, क्योंकि ये घबराहट को और ज्यादा बढ़ा देती हैं। अच्छी नींद और सेहतमंद जीवनशैली मन को मजबूत बनाती है।

खुद को शाबाशी दें: जब भी आप अपने डर के बावजूद कुछ हासिल करें, तो खुद को कोई छोटा-सा तोहफा दें। जैसे- अपनी पसंद का खाना खाएं, कोई किताब खरीदें या कोई फिल्म देखें।

जरूरी सलाह: अगर आपका डर आपकी रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत ज्यादा रुकावट डाल रहा है, तो डॉक्टर या विशेषज्ञ से सलाह लेने में संकोच न करें।

(लाइफ कोच डॉ. सुजाता से बातचीत पर आधारित)

जीवनसाथी से ऐसे बनाए रखें प्यार

दांपत्य जीवन में मिठास बनी रहे, इसके लिए जरूरी है पति-पत्नी के बीच हमेशा संवाद बना रहे। संवाद की निरंतरता दंपति को आपस में जोड़े रखती है, इससे रिश्ते गहरे बने रहते हैं। दांपत्य जीवन में हमेशा प्यार कैसे बना रहे, जानिए।

दांपत्य

स्नेहा सिंह

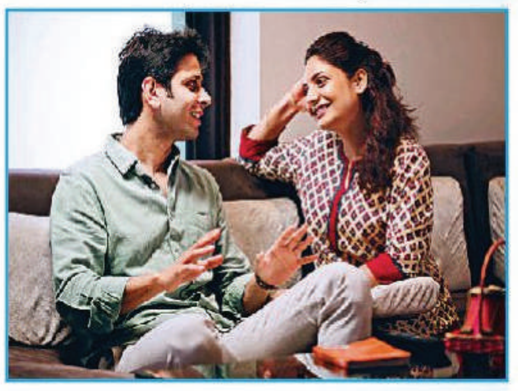

हम अकसर घर से ऑफिस के लिए निकलते समय अपने जीवनसाथी से बस यही कहते हैं, 'आने में देर हो जाएगी।', 'फोन करके परेशान मत करना।' या जीवनसाथी के कोई बात पूछने पर चिढ़ कर बोल देते हैं, 'बाद में बात करते हैं।' लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि घर से निकलते समय ऐसा रूखा व्यवहार जीवन साथी को कितना कचोटता होगा? आखिर हम घर से निकलते समय अपने जीवन साथी से प्यार के दो बोल क्यों नहीं बोल सकते, क्यों नहीं एक मुस्कराहट के साथ अपनी विदाई ले सकते हैं? दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहे, इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है-

रिश्तों में हों मीठे संवाद: पति-पत्नी का रिश्ता केवल साथ रहने का नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव का रिश्ता भी होता है। इस रिश्ते की नींव मीठे संवाद पर टिकी होती है। जब दो लोग अपने मन की बातें खुलकर मधुरता के साथ करते हैं, एक-दूसरे की परेशानियां और छोटे-छोटे अनुभव साझा करते हैं, तब संबंध गहरे होते जाते हैं। लेकिन आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में दांपत्य जीवन में संवाद कम होता जा रहा है। लोग घंटों मोबाइल के साथ तो बिताते है, पर जीवनसाथी के साथ कुछ पल बैठकर बात नहीं करते। इसके अभाव में धीरे-धीरे दांपत्य रिश्तों में दूरी आ जाती है। कई बार पति-पत्नी एक ही घर में रहते हुए भी मानसिक रूप से बहुत दूर हो जाते हैं। वे केवल जिम्मेदारियां निभाते हैं, लेकिन भावनाओं को व्यक्त नहीं करते। ऐसे में रिश्ते बोझ लगने लगते हैं।

छोटी-छोटी बातें भी रखती हैं मायने: रिश्तों को मजबूत बनाए रखने के लिए हमेशा बड़े अवसरों या महंगे उपहारों की जरूरत नहीं होती। कभी-कभी छोटी-छोटी बातें भी बहुत बड़ा असर छोड़ जाती हैं। सुबह घर से निकलते समय एक प्यारी सी मुस्कान, 'अपना ध्यान रखना' जैसा वाक्य या अचानक किया गया एक फोन कॉल या फिर शाम को साथ बैठकर एक कप चाय पी लेना, ये सब बातें रिश्तों में गर्माहट बनाए रखती हैं।

नाराजगी को कभी लंबा न खींचें: रिश्तों में मतभेद होना स्वाभाविक है। पति-पत्नी के बीच बहस, गुस्सा और शिकायतें पैदा होती रहती हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब लोग अहं में आकर बात करना बंद कर देते हैं। कई बार लोग लंबी चुप्पी साधे रहते हैं। कोई बातचीत के लिए पहल नहीं करना चाहता। दोनों अपने-अपने दिल में शिकायतें जमा किए रहते हैं। झगड़े के बाद भी लंबे समय तक चुप्पी सही नहीं है। जल्दी संवाद शुरू हो जाना चाहिए।

समय देना सबसे बड़ा उपहार: आज लोग अपने करियर, सोशल मीडिया और बाहरी दुनिया में बिजी रहते हैं, रिश्तों के लिए समय ही नहीं निकालते। लेकिन सच्चाई यह है कि किसी भी रिश्ते को जीवित रखने के लिए समय देना बहुत जरूरी है। जीवनसाथी को केवल आर्थिक सुविधाएं ही नहीं चाहिए होतीं, भावनात्मक साथ भी चाहिए होता है। कभी साथ टहलना, साथ खाना, बिना मोबाइल के बैठकर बातें करना, ये सब रिश्तों को जीवंत बनाए रखते हैं। यदि हम अपने सबसे करीबी व्यक्ति के लिए समय नहीं निकाल पा रहे हैं, तो यह हमारे रिश्ते के लिए खतरे की घंटी है।

सीखें प्रेम को व्यक्त करना: बहुत से लोग अपने मन की भावनाएं व्यक्त नहीं कर पाते। वे प्रेम करते हैं, लेकिन जताते नहीं, जबकि रिश्तों में भावनाओं का खुलकर व्यक्त करना बहुत जरूरी है। कभी-कभी जीवनसाथी की तारीफ करना, उसकी मेहनत को सराहना या बस यह कहना कि 'तुम मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण हो।' रिश्तों में नई ऊर्जा भर देता है। जीवन अनिश्चित है। हमें नहीं पता अगला पल कैसा होगा। इसलिए अपने जीवन साथी को यह अहसास कराते रहना चाहिए कि वे हमारे लिए कितने खास हैं। रिश्ते केवल साथ रहने से नहीं प्रेम, सम्मान, संवाद और समय देने से गहरे होते हैं।

बच्चे और आप

शिखर चंद जैन

इन दिनों बच्चों की समर वैकेशन चल रही हैं। स्कूल जाना नहीं है, इसलिए बच्चों के पास काफी समय है। समर वैकेशन में बच्चे क्या खास कर सकते हैं, कैसे अपने समय का सदुपयोग करें, पैरेंट्स के लिए बहुत ही उपयोगी सलाह।

यूं ही न बीत जाएं बच्चों की समर वैकेशन

गर्मी की छुट्टियां शुरू हो चुकी हैं। बच्चों के लिए मौज-मस्ती और धमाचौकड़ी का अच्छा मौका है। एक सी रुटीन लाइफ के बाद थोड़ा-सा वक्त कुछ अलग तरह से बीतना भी चाहिए। लेकिन ये लंबी छुट्टियां सिर्फ वक्त की बर्बादी साबित न हों, इसका ध्यान रखना जरूरी है। मजे-मजे में बच्चों को कुछ नई स्किल्स भी सिखा दें, ये जिंदगी भर उनके काम आएंगी।

म्यूजिक सिखाएं: म्यूजिक सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं, इससे मानसिक विकास भी होता है। कुछ अध्ययनों की मानें तो म्यूजिक सीखने वाले बच्चों की लर्निंग कैपेसिटी और गणित का ज्ञान दूसरों की तुलना में अधिक हो सकता है। इसलिए अपने बच्चे को म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट जैसे वाइलिन, पियानो, हारमोनियम या गिटार बजाना सिखाएं। यह स्किल उसके लिए काफी फायदेमंद साबित होगी।

सिखाएं कुकिंग की एबीसीडी: कुकिंग एक महत्वपूर्ण लाइफ स्किल है, जो किसी स्कूल में नहीं सिखाई जाती। इससे बच्चों को न सिर्फ तरह-तरह के प्रयोग करने का मौका मिलता है, कुछ नया बनाने पर सृजन-सुख भी मिलता है। जो बच्चे खुद कुछ, बनाना सीख जाते हैं, उन्हें हेल्दी फूड और नुकसानदायक खाद्य-पदार्थों के बीच अंतर आसानी से समझ में आ जाता है। उम्र के मुताबिक बच्चों का सब्जी, फल आदि काटकर सलाद बनाना, उनकी ड्रेसिंग करना, सैंडविच, जूस आदि बनाना सिखाएं। वे स्वयं भी कुकिंग करके एंज्वॉय करेंगे।

की एक्सरसाइज भी होगी और शारीरिक-मानसिक विकास भी होगा। यह एक लाइफ सेविंग स्किल भी है, जो मुसीबत के वक्त बच्चे के खूब काम आ सकती है। जरूरत पड़ने पर वह न सिर्फ खुद की बल्कि किसी दूसरे व्यक्ति की भी जान बचा सकता है।

न्यूजपेपर-मैगजीन से टास्क दें: बच्चों को कोर्स की किताबों से इतर भी कुछ टास्क दें। पत्रिकाओं और अखबारों के कलरफुल सप्लीमेंट्स में छपी आकर्षक तस्वीरें काटकर उनके बारे में कुछ लिखने को कहें, साथ ही अपनी स्पेशल स्क्रैप बुक बनाने को कहें। नए शब्द और उनके अर्थ डायरी में लिखने और वाक्यों में उनका प्रयोग करना सिखाएं। रेखाचित्रों में कलर करने को कहें और अलग-अलग जगह छपे कुछ चित्रों में तालमेल बैठाकर उन पर छोटी-छोटी कहानियां या कविताएं लिखने का टास्क दें। यह काम उनकी क्रिएटिविटी को बढ़ाएगा।

स्विमिंग सिखाएं: गर्मी के मौसम में पानी में खेलना-कूदना बच्चों को खूब भाता है। समर वैकेशन अच्छा मौका है, जब वे मौज-मस्ती के साथ-साथ एक नई स्किल भी सीख लेंगे। स्विमिंग सिर्फ मनोरंजन का ही बेहतरीन साधन नहीं है, इससे बच्चों

सिखाएं नई भाषा: समर वैकेशन का सदुपयोग करने के लिए बच्चों को एक नई भाषा सिखाना एक अच्छा आइडिया है। कई वैज्ञानिक शोधों के नतीजे बता चुके हैं कि एक से अधिक भाषा जानने वाले बच्चों की बौद्धिक क्षमता दूसरे बच्चों की तुलना में कहीं अधिक होती है। सिर्फ यही नहीं, एक से ज्यादा भाषाओं का ज्ञान आगे चलकर बच्चे के करियर के लिए भी प्लस प्वॉइंट बन सकता है। जितनी अधिक भाषाओं का ज्ञान होगा, उसके ज्ञान का उतना ही विस्तार होगा और विदेश जाने की राह भी आसान होगी।

कंप्यूटर पर वर्क करना सिखाएं: आज की टेकसेवी दुनिया में बच्चे को कंप्यूटर का गहरा ज्ञान होना जरूरी है। गर्मी की छुट्टियों में बच्चे को कंप्यूटर पर हिंदी या अंग्रेजी टाइपिंग की प्रैक्टिस, फोटोशॉप, माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस या इससे जुड़ी अन्य बारीकियां सिखाने के लिए किसी कोचिंग सेंटर भेजें। आपको यह सब आता हो तो आप खुद बच्चे को यह सब सिखाएं।

ये भी हैं अच्छे ऑप्शन

- बच्चे को आउटडोर गेम्स खेलने के लिए प्रेरित करें।
- रोज एक्सरसाइज करने को कहें।
- मॉर्निंग या इवनिंग वॉक के लिए कहें।
- गार्डनिंग के काम में बच्चों की मदद लें, उन्हें विभिन्न फूलों, पत्तियों और वनस्पतियों की जानकारी दें।

हेयर स्टाइल

नैंसी गुप्ता

बहुत ईजी हैं ये हेयर स्टाइल कम समय में पाएं परफेक्ट लुक

गर्मी के मौसम में बालों को संभालना आसान नहीं होता है। पसीना, धूल और उमस के कारण बाल चिपचिपे हो जाते हैं और उन्हें स्टाइल करना मुश्किल लगने लगता है। खासकर जब समय कम हो, तब जल्दी और आसान हेयर स्टाइल की जरूरत और भी बढ़ जाती है। ऐसे में कुछ स्मार्ट-सिंपल हेयर स्टाइल्स अपनाकर आप कम समय में भी परफेक्ट लुक पा सकती हैं।

सिंपल लो पोनीटेल: अगर आपके पास समय कम है, तो यह लो पोनीटेल सबसे आसानी से बनने वाला क्लासी हेयर स्टाइल है। इसे बनाने में कुछ मिनट लगते हैं और यह आपको एक साफ-सुथरा लुक देता है। आप इसमें हल्का सा ट्विस्ट या पफ जोड़कर अपने ओवरऑल लुक को और स्टाइलिश बना सकती हैं।

साइड ब्रेड हेयर स्टाइल: अगर आप कुछ अलग हेयर स्टाइल ट्राय करना चाहती हैं, तो साइड ब्रेड एक अच्छा विकल्प है। इसे बनाना आसान है और यह आपके लुक में एलिगेंस जोड़ता है। गर्मियों में यह बालों को उलझने से भी बचाता है।

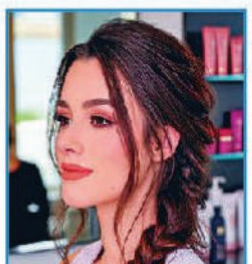

हाफ पोनीटेल: हाफ पोनीटेल, उन महिलाओं के लिए बेहतरीन है, जो बालों को पूरी तरह बांधना नहीं चाहती हैं। इसमें आधे बालों को बांधकर बाकी को खुला रखा जाता है। खास बात यह है कि यह हेयर स्टाइल कुछ ही मिनटों में तैयार हो जाता है और आपको फ्रेश लुक देता है।

क्लॉ क्लिप स्टाइल: बालों में क्लॉ क्लिप का इस्तेमाल आजकल काफी ट्रेंड में है। बालों को ट्विस्ट करके क्लॉ क्लिप से सेट करना एक मिनट का काम है और यह आपको स्टाइलिश लुक देता है। यह खासकर ऑफिस ड्रेसअप के साथ या कैजुअल आउटिंग के लिए परफेक्ट लगता है।

स्कार्फ के साथ फंकी स्टाइल: गर्मियों में स्कार्फ का इस्तेमाल स्टाइल बढ़ाने के लिए भी किया जा सकता है। आप पोनीटेल या बन के साथ स्कार्फ जोड़कर अपने लुक को और आकर्षक बना सकती हैं।

मैसी बन: मैसी बन, गर्मियों के लिए परफेक्ट हेयर स्टाइल माना जाता है। इसे बनाने में ज्यादा मेहनत नहीं लगती और यह देखने में भी काफी ट्रेंडी लगता है। यह स्टाइल बालों को गर्दन से दूर रखता है, जिससे आपको गर्मी में राहत मिलती है।

ब्रेडेड बन: अगर आप थोड़ा स्टाइलिश और फॉर्मल लुक चाहती हैं, तो ब्रेडेड बन ट्राय कर सकती हैं। इसमें पहले चोटी बनाकर उसे जूड़े में बदल दिया जाता है। यह स्टाइल लंबे समय तक टिकता है।

(हेयर एक्सपर्ट नक्ष वर्मा से बातचीत पर आधारित)

प्रिकॉशन

निकिता चौहान

वैसे तो हर मौसम में फिजिकल हाइजीन के प्रति अवेयर रहना जरूरी है। लेकिन समर सीजन में इसके प्रति और भी अवेयर रहना चाहिए। इस सीजन में कैसे रखें हाइजीन का ध्यान, जानिए।

समर सीजन में ऐसे रखें हाइजीन का ध्यान

गर्मी का मौसम अपने साथ कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं लेकर आता है, खासकर महिलाओं के लिए। अधिक तापमान, पसीना, नमी और बैक्टीरिया की वृद्धि के कारण त्वचा और निजी स्वच्छता से जुड़ी समस्याएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में अपनी दैनिक दिनचर्या में कुछ जरूरी बदलाव करके समर हाइजीन का विशेष ध्यान रखना चाहिए, ताकि आप स्वस्थ-सुरक्षित रह सकें।

करें प्रॉपर क्लीनिंग: गर्मी के मौसम में पसीना आने से सभी परेशान रहते हैं। इससे शरीर के संवेदनशील हिस्सों (इंटरनल ज्वाइंट्स और हमेशा कवर्ड रहने वाले एरिया) में बैक्टीरिया और फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए दिन में एक या दो बार स्नान करना जरूरी हो जाता है। खासकर जननांग क्षेत्र (इंटिमेट एरिया) की सफाई का विशेष ध्यान रखें। इस क्षेत्र को साफ और सूखा रखना बहुत जरूरी है। अत्यधिक केमिकल वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से बचें और माइल्ड, पीएच-बैलेंस्ड क्लीनर का उपयोग करें।

कॉटन फैब्रिक ड्रेसेस: सही ड्रेस का चयन भी समर हाइजीन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गर्मी में कॉटन फैब्रिक वाले लूज ड्रेसेस पहनना बेहतर होता है, क्योंकि ये स्किन को सांस लेने देते हैं और पसीने को सोख लेते हैं। सिंथेटिक फैब्रिक वाले टाइट ड्रेसेस पहनने से पसीना जमा होता है, जिससे खुजली, रैशेज और संक्रमण हो सकता है।

पीरियड्स टाइम हाइजीन: इस मौसम में पीरियड्स के दौरान स्वच्छता का ध्यान रखना और भी जरूरी हो जाता है। सेनेटरी पैड्स या टैंपोन को हर 4-6 घंटे में बदलना चाहिए। मेंस्ट्रुअल कप का उपयोग भी सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प हो सकता है, बशर्ते उसकी सही तरीके से सफाई की जाए।

हाइड्रेशन-डाइट: शरीर की आंतरिक सफाई के लिए हाइड्रेशन और डाइट भी काफी महत्वपूर्ण है। अधिक पानी पीना शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है और स्किन को हेल्दी बनाए रखता है। इसके लिए नारियल पानी, छाछ और ताजे फलों का सेवन करें। तला-भुना और अत्यधिक मसालेदार भोजन कम खाएं, क्योंकि यह शरीर में गर्मी बढ़ा सकता है।

यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन: गर्मी के मौसम में ध्यान ना देने पर महिलाओं में यूटीआई का होना भी कॉमन समस्या है। इसे रोकने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, यूरिन को लंबे समय तक रोककर न रखें और टॉयलेट जाने के बाद सफाई का सही तरीका अपनाएं। यदि जलन, दर्द या बार-बार यूरिन आने जैसी समस्या हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

फंगल इंफेक्शन: पसीने के कारण फंगल इंफेक्शन, घमौरियां और एलर्जी हो सकती हैं। जिन अंगों के आस-पास पसीना ज्यादा होता है, उस जगह को सूखा रखें और जरूरत पड़ने पर एंटी-फंगल पावडर या क्रीम का इस्तेमाल करें। बिना डॉक्टर की सलाह के कोई भी दवा न लें।

समर सीजन हाइजीन प्रिकॉशंस को नजरअंदाज करने से आगे चलकर कई समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए यहां बताई गई स्वच्छता आदतों को जरूर अपनाएं।

(सीनियर ऑब्स्टेट्रिशियन और गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. मनन गुप्ता, दिल्ली से बातचीत पर आधारित)